RNI No.: UPHIN/25/A1697
GARVI GUJARAT
गरवी गुजरात
गरवी गुजरात
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक
वर्ष : 01
अंक : 189
दि. 10.11.2025,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा
EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.
Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

उत्तराखंड को मिला विकास का तोहफा, पीएम मोदी ने किया 8260 करोड़ की योजनाओं का शुभारंभ

(जीएनएस)।

उत्तराखंड के राज्य स्थापना दिवस पर पूरे प्रदेश में उत्सव का माहौल था। देहरादून में आयोजित भव्य समारोह में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंच पर पहुंचे तो पूरा मैदान तालियों से गूंज उठा। इस खास मौके पर पीएम मोदी ने राज्य को बड़ी विकास सौगात दी। ₹8260.72 करोड़ की योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास कर प्रदेश के विकास को नई दिशा देने की शुरूआत की।

इन परियोजनाओं में जल, ऊर्जा, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल और कृषि जैसे कई क्षेत्रों से जुड़ी योजनाएं शामिल हैं। सौंग और जमरानी जैसे बड़े बांध प्रोजेक्ट्स से लेकर दुग्धशाला, पॉलीटेक्निक कॉलेज, सोलर पावर प्लांट और महिला स्पोर्ट्स कॉलेज तक – इन सबका मकसद है उत्तराखंड को आत्मनिर्भर, आधुनिक और बेहतर सुविधाओं वाला राज्य बनाना। इनमें कुल 19 योजनाओं का शिलान्यास और 12 योजनाओं का लोकार्पण शामिल है।

सौंग और जमरानी बांध परियोजनाओं से सुधरेगी जलापूर्ति

प्रधानमंत्री मोदी ने जिन योजनाओं का शिलान्यास किया, उनमें सबसे अहम सौंग बांध पेयजल परियोजना (₹2491.96 करोड़) और जमरानी बांध परियोजना (₹2584.10 करोड़) हैं। देहरादून और टिहरी जिलों में बनने वाले सौंग बांध से शहर को 150 एमएलडी पेयजल की आपूर्ति होगी। यह 130 मीटर ऊंचा बांध देहरादून की जल समस्या को काफी हद तक हल करेगा।

वहीं नैनीताल जिले में बनने वाली जमरानी बांध परियोजना बहुउद्देशीय होगी। इससे न केवल सिंचाई और पेयजल की व्यवस्था सुधरेगी बल्कि 14 मेगावाट बिजली का उत्पादन भी होगा। परियोजना से करीब 57 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा मिलेगी।

राज्यभर में इंफ्रास्ट्रक्चर और ऊर्जा परियोजनाएं

राज्य में विकास को गति देने के लिए ऊर्जा, सिंचाई, स्वास्थ्य, शिक्षा और सड़क निर्माण से जुड़ी कई परियोजनाएं शुरू की गई हैं।

अलकनंदा नदी के किनारे भूस्खलन रोकने के काम (₹100.53 करोड़)

धारचूला में बाढ़ सुरक्षा कार्य (₹140.22 करोड़)

पीपलकोटी और घनसाली में नए पारेषण उपसंस्थान (₹340.29 करोड़ और ₹277.23 करोड़)

राज्यभर के सरकारी भवनों में सोलर पावर प्लांट (₹129.37 करोड़)

चम्पावत में महिला खिलाड़ियों के लिए महिला स्पोर्ट्स कॉलेज (₹256.96 करोड़)

विभिन्न जिलों में नई सड़कों और पुलों का निर्माण (₹127.43 करोड़)

शिक्षा और स्वास्थ्य को भी मिला बड़ा बजट

राज्य सरकार ने तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए लोहाघाट, सल्ट, दन्या, गरुड़, द्वाराहाट और पोखरी में पॉलीटेक्निक भवनों के निर्माण की योजना बनाई है। इसके अलावा देहरादून और हल्द्वानी में मरीजों के परिजनों के लिए रैन बसेरा बनाने और खानपुर में उप जिला चिकित्सालय भवन निर्माण (₹39.42 करोड़) को भी मंजूरी दी गई है।

डेयरी और कृषि क्षेत्र को मिलेगा नया बल

कृषि और पशुपालन के क्षेत्र में सुधार के लिए नैनीताल जिले के लालकुआं में 1.5 लाख लीटर प्रतिदिन क्षमता वाली आधुनिक दुग्धशाला (₹80.77 करोड़) बनाई जाएगी। साथ ही वीर चंद्र सिंह गढ़वाली विश्वविद्यालय, भरसार में कृषि भूमि की सुरक्षा के लिए चैनलिंक फेंसिंग कार्य (₹11.48 करोड़) किया जाएगा।

लोकार्पित परियोजनाएं भी कई जिलों में फैलीं

पीएम मोदी ने ₹931.65 करोड़ की 12 योजनाओं का लोकार्पण किया। इनमें प्रमुख हैं –

धारचूला में 220 केवी उपसंस्थान (₹161.98 करोड़)

देहरादून में जलापूर्ति सुधार कार्य (₹128.56 करोड़)

राजकीय पॉलीटेक्निक कॉलेजों के नए भवन (₹126.27 करोड़)

गंगोलीहाट और बागेश्वर में पेयजल योजनाएं (₹80.81 करोड़)

हल्द्वानी स्टेडियम में हॉकी एस्ट्रोटर्फ का निर्माण (₹18.61 करोड़)

'वोकल फॉर लोकल' की भावना को सराहा पीएम मोदी ने

समारोह में संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत ने आत्मनिर्भर बनने का संकल्प लिया है और इस दिशा में "वोकल फॉर लोकल" की भावना अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा, "उत्तराखंड हमेशा से इस सोच को जीता आया है। यहां के लोग स्थानीय उत्पादों से गहरा जुड़ाव रखते हैं और उन्हें अपने जीवन का हिस्सा बनाते हैं।"

विकास की नई दिशा में बढ़ता उत्तराखंड

पीएम मोदी की इस घोषणा के साथ राज्य में नई ऊर्जा और उत्साह का माहौल है। इन परियोजनाओं से न केवल जलापूर्ति, ऊर्जा और शिक्षा के क्षेत्र में सुधार होगा बल्कि रोजगार और निवेश के नए अवसर भी बढ़ेंगे।

परिवारवादी व्यवस्था ने बिहार में जाति-जाति को लड़ाकर अराजकता व गुंडागर्दी का तांडव किया: योगी आदित्यनाथ

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बिहार के चुनावी रण में कांग्रेस व राजद पर खूब बरसे। उन्होंने कहा कि परिवारवादी व्यवस्था ने बिहार में जाति-जाति को लड़ाकर अराजकता व गुंडागर्दी का तांडव किया और बिहार के नौजवानों के सामने पहचान का संकट खड़ा कर दिया। नागरिकों व गरीबों को भूखों मरने के लिए छोड़ दिया गया। सरकार के खजाने में लूट मच गई थी। बड़ी-बड़ी घोषणाओं के साथ राजद व कांग्रेस का महागठबंधन सिर्फ धोखा देने आया है। जो आपकी जमीन हड़प गए, वे नौकरी क्या देंगे। पशुओं का चारा खाने वाले विकास की बड़ी-बड़ी घोषणाएं कर रहे हैं, लेकिन विकास, गरीब कल्याण व आस्था का सम्मान इनके एजेंडे में कभी नहीं था।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को छातापुर के लक्ष्मी रघुनाथ सिंह उच्च विद्यालय, भीमपुर में चुनावी जनसभा की। उन्होंने जनसैलाब से विधायक व छातापुर से भाजपा प्रत्याशी नीरज कुमार सिंह 'बब्लू' को जिताने की अपील की।

कांग्रेस व राजद के पाप के कारण लोग बिहार को जंगलराज के रूप में जानने लग गए थे

सीएम ने बिहार को भक्ति, शक्ति व ज्ञान की धरा बताया, फिर कहा कि बिहार का इतिहास गौरवशाली है। यह स्वर्णयुग लाने वाली धरा है, लेकिन कांग्रेस व राजद के पाप के कारण लोग बिहार को जंगलराज के रूप में जानने लग गए थे। जिस बिहार ने नालंदा विश्वविद्यालय देकर दुनिया को ज्ञानवान बनाया, वहां इन दोनों के शासनकाल में बिहार साक्षरता में सबसे नीचे चला गया था। यहां उमड़े जनसैलाब को देख सीएम ने कहा कि 14 नवंबर को जब ईवीएम खुलेंगे तो पूरे बिहार में 'फिर एक बार एनडीए सरकार' का शंखनाद होगा।

बिहार में एक परिवार की बपौती बनाकर जंगलराज व लूट-खसोट किया गया था

सीएम योगी ने मतदाताओं से कहा कि खानदानी लुटेरे झूठा आश्वासन देने आए हैं।

कौन सा सर्वे घर के अंदर झांकने की इजाजत देता है? मातोश्री के बाहर उड़ते ड्रोन पर आदित्य ठाकरे ने उठाए सवाल

महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में उद्धव ठाकरे के घर के बाहर रविवार को ड्रोन घूमता नजर आया। जिसके बाद ठाकरे परिवार ही आस-पास के

इलाके में रहने वाले दहशत में आ गए हैं। ठाकरे परिवार ने जहां ड्रोन से उनके परिवार की निगरानी कर जासूसी करने का आरोप लगाया है।

बांद्रा ईस्ट में एक ड्रोन द्वारा "उनके घर मातोश्री में झांकने" को लेकर उद्धव बालासाहेब ठाकरे (वइळ) गुट के आदित्य ठाकरे ने

बिहार चुनाव प्रचार थमा, अब वोट की बारी, दूसरे चरण में 20 जिलों की 122 सीटों पर महामुकाबला

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 अपने निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुका है। दूसरे चरण की 122 सीटों के लिए प्रचार रविवार (09 नवंबर) शाम पांच बजे थम गया। 11 नवंबर को सुबह 7 बजे से मतदान होगा और 14 नवंबर को नतीजे सामने आएंगे। अब हर तरह के चुनाव प्रचार से लेकर सर्वे, ओपिनियन पोल सब पर रोक है।

चुनाव आयोग ने मतदान से पहले पूरे राज्य में सख्त निगरानी के निर्देश जारी कर दिए हैं। भारत-नेपाल सीमा को भी सील कर दिया गया है ताकि किसी तरह की अवैध गतिविधि या बाहरी दखल चुनाव को प्रभावित न कर सके। भारत-नेपाल बॉर्डर को 11 नवंबर की रात तक सील की गई। आइए जानते हैं कि बिहार चुनाव के दूसरे चरण में किन-किन जिलों में वोटिंग होगी, कितने हाई प्रोफाइल उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं और हर अहम जानाकारी।

20 जिलों में होगा मतदान, 3.7 करोड़ से ज्यादा मतदाता करेंगे फैसला

दूसरे चरण में बिहार के 20 जिलों गया, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, अरवल, जहानाबाद, नवादा, भागलपुर, बांका, जमुई, सीतामढ़ी, शिवहर, मधुबनी, सुपौल, पूर्णिया, अररिया, कटिहार, किशनगंज, पूर्वी और पश्चिमी चंपारण में वोटिंग होगी।

इस चरण में कुल 1302 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें 1165 पुरुष, 136 महिलाएं और 1 ट्रांसजेंडर उम्मीदवार शामिल हैं। 3 करोड़ 70 लाख 13 हजार 556 मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे, जिनमें 1.95 करोड़ पुरुष और 1.74 करोड़ महिलाएं हैं।

बिहार चुनाव 2025: दूसरे चरण के आंकड़े एक नजर में, कुल विधानसभा सीटें: 122, सामान्य सीटें: 101, अनुसूचित जाति (SC) सीटें: 19, अनुसूचित जनजाति (रळ) सीटें: 2, कुल मतदाता: 3,70,13,556, पुरुष मतदाता: 1,95,44,041, महिला मतदाता: 1,74,68,572, नए मतदाता: 5,28,954, कुल मतदान केंद्र: 45,399, कुल उम्मीदवार: 1,302, पुरुष उम्मीदवार: 1,165, महिला उम्मीदवार: 136

45 हजार से ज्यादा बूथों पर वोटिंग की तैयारी पूरी

चुनाव आयोग ने 20 जिलों में कुल 45,399 मतदान केंद्र बनाए हैं।

इनमें 5326 बूथ शहरी और 40,073 बूथ ग्रामीण क्षेत्रों में हैं। सुरक्षा के लिहाज से आयोग ने 45,388 सामान्य और 11 सहायक बूथों की व्यवस्था की है। कई इलाकों में मतदान समय को कम किया गया है, खासकर नक्सल प्रभावित और संवेदनशील क्षेत्रों में।

इन दिग्गजों की किस्मत दांव पर

दूसरे चरण में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कई मंत्रियों की किस्मत ईवीएम में बंद होगी। इनमें सुपौल से बिजेंद्र प्रसाद यादव, चकाई से सुमित कुमार सिंह, झंझारपुर से नीतीश मिश्रा, अमरपुर से जयंत राज, छातापुर से नीरज बबलू, बेतिया से रेणु देवी, धमदाहा से लेशी सिंह, हरसिद्धि से कृष्णनंदन पासवान और चैनपुर से जमा खान शामिल हैं।

वहीं महागठबंधन की ओर से राजद के वरिष्ठ नेता उदय नारायण चौधरी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम, कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद खान, और भाकपा (माले) के नेता महबूब आलम भी मैदान में हैं।

कौन कितनी सीटों पर लड़ रहा है?

NDA की बात करें तो इस चरण में भाजपा के 53, जदयू के 44, लोजपा (रामविलास) के 15, रालोमो के 4 और हम के 6 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं।

वहीं महागठबंधन की ओर से राजद 72 सीटों, कांग्रेस 37 सीटों, और वीआईपी 10 सीटों पर ताल ठोक रही है।

एनडीए की तरफ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा जैसे स्टार प्रचारक मैदान में रहे।

ओडिशा के राज्यपाल डॉ. हरि बाबू कंभमपति ने मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल से शिष्टाचार भेंट की

ओडिशा के राज्यपाल ने भारत पर्व में उपस्थित रहकर कलाकारों की प्रस्तुतियाँ देखीं

डॉ. हरि बाबू कंभमपति ने एकता नगर को विश्व पर्यटन धाम बनाने के लिए राज्य सरकार की सराहना की

गांधीनगर, 09 नवंबर :ओडिशा के राज्यपाल डॉ. हरि बाबू कंभमपति ने रविवार को गांधीनगर में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल से शिष्टाचार भेंट की।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से देशभर में मनाई जा रही सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में इस वर्ष राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह के साथ आयोजित होने वाला भारत पर्व गुजरात में आयोजित हुआ है। ओडिशा के राज्यपाल डॉ. हरि बाबू कंभमपति 8 नवंबर शनिवार को भारत पर्व में उपस्थित रहे।

सरदार साहब की 150वीं जयंती का गरिमामय उत्सव 15 नवंबर तक नर्मदा जिले के एकता नगर में भारत पर्व तथा एकता पर्व के साथ मनाया जा रहा है।

इस भारत पर्व में प्रतिदिन रात्रि में देश के विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक प्रस्तुति कर 'अनेकता में एकता ही हमारी विशेषता' का ध्येय साकार किया जा रहा है।

एक भारत, श्रेष्ठ भारत अंतर्गत इस भारत पर्व में जिन राज्यों की कलाकृतियों का प्रदर्शन तथा प्रस्तुति होते हैं, उन राज्यों के महानुभाव विशेष रूप से उपस्थित रहकर कलाकारों को प्रोत्साहित करते हैं।

इसी क्रम में शनिवार को भारत पर्व में ओडिशा के कलाकारों की सांस्कृतिक प्रस्तुति हुई। इस अवसर पर ओडिशा के राज्यपाल डॉ. हरि

टोल प्लाजा पर तेज रफ्तार टैंकर ने बेकाबू होकर मचाई भारी तबाही, टक्कर से उखड़ा बूथ

राजस्थान के अजमेर जिले में रविवार को एक बड़ा सड़क हादसा हुआ है। किशनगढ़ के अराई हाईवे स्थित टोल प्लाजा पर एक बेकाबू तेज रफ्तार टैंकर सीधे टोल प्लाजा से टकरा

गई। इस जबरदस्त टक्कर की वजह से दो टोलकर्मी बुरी तरह से घायल हो गए हैं। टोल प्लाजा पर लगे सीसीटीवी कैमरे में घटना कैद हुई है। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। अब तक की जांच में पता चला है कि ड्राइवर शराब के नशे में टैंकर चला रहा था।

'नीतीश से संपर्क में नहीं हूं', दूसरे चरण के चुनाव से पहले लालू का चौंकाने वाला बयान, कहा इस बार बेरोगारी मिटायेंगे

(जीएनएस)।

बिहार की सियासत एक बार फिर करवट लेने जा रही है। जैसे-जैसे चुनावी रण अपने आखिरी पड़ाव पर पहुंच रहा है, राज्य में पुराने और नए नेताओं के बीच दिलचस्प मुकाबला देखने को मिल रहा है। कभी बिहार की राजनीति के सबसे बुलंद नाम रहे लालू प्रसाद यादव अब परदे के पीछे हैं, जबकि उनका बेटा तेजस्वी यादव पूरी तरह मोर्चे पर डटा है।

दूसरी ओर, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने अनुभव और योजनाओं के दम पर मैदान में मजबूती से डटे हुए हैं। इस बार का चुनाव न सिर्फ सत्ता के लिए, बल्कि एक नई पीढ़ी के उभार और पुरानी राजनीति के ढलते दौर का संकेत भी माना जा रहा है। जहां तेजस्वी 'रोजगार' के नारे के साथ युवाओं को जोड़ने में जुटे हैं, वहीं नीतीश महिलाओं और विकास योजनाओं के जरिए वोटरों को साधने की कोशिश में हैं।

'इस बार बिहार से बेरोजगारी मिटेगी'

इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के अनुसार, पार्टी दफ्तर पर सीमित मुलाकातों में लालू यादव ने कहा कि अगर महागठबंधन की सरकार बनी तो पहली प्राथमिकता बेरोजगारी खत्म करना होगी। उन्होंने साफ कहा, "अब हम नीतीश कुमार को दोबारा स्वीकार नहीं करेंगे।" यानी, किसी भी हाल में जेडीयू से फिर गठबंधन नहीं होगा।

ये भी पढ़ें: पचमढ़ी में राहुल गांधी का तीखा हमला: 'वोट चोरी के 'ल फाइल्स' खोले, बिहार चुनाव से पहले कांग्रेस का बड़ा आरोप

नीतीश को लेकर सियासी अटकलें तेज

नीतीश कुमार को लेकर अब भी राजनीतिक हलचल जारी है। गृहमंत्री अमित शाह के बयान कि "मुख्यमंत्री का फैसला नए विधायक करेंगे" से जेडीयू खेमे में बेचैनी दिखी थी। हालांकि भाजपा नेताओं ने बाद में साफ किया कि नीतीश ही सीएम रहेंगे, लेकिन सवाल अभी भी टिका हुआ है।

तीन दशकों से नीतीश-लालू ने तय की बिहार की राजनीति

पिछले 35 सालों में बिहार की राजनीति में लालू और नीतीश दोनों ने कई बार एक-दूसरे का साथ भी दिया और विरोध भी किया। लालू ने पिछड़ों को सत्ता में लाया, तो नीतीश ने अति पिछड़ों और महादलितों का बड़ा गठबंधन तैयार किया। दोनों ने अपने-अपने समय में एक-दूसरे को पूरी तरह खत्म नहीं होने दिया, जिससे राज्य की राजनीति तीन दलों – आरजेडी, जेडीयू और बीजेपी – के इर्द-गिर्द घूमती रही।

नीतीश का सामाजिक समीकरण अब भी मजबूत

नीतीश कुमार ने कुर्मी-कोइरी, अति पिछड़ा और महादलित वर्गों को जोड़कर अपना मजबूत वोट बैंक बनाया है।

सम्पादकीय

संविधान की सीमाओं के भीतर ही इस्तेमाल हों सरकार की शक्तियां

वाणिज्यिक न्यायालयों के स्थाई अंतर्राष्ट्रीय फोरम की छठी पूर्ण बैठक में भारत के प्राधान न्यायाधीश बीआर गवई ने कहा कि न्यायपालिका कानून के शासन की एक मजबूत संरक्षक रही है और शीर्ष अदालत ने यह सुनिाित किया है कि वह आर्थिक नीतिगत मामलों में तब तक हस्तक्षेप नहीं करेगी, जब तक कि मौलिक अधिकारों या संविधान के अन्य प्रावधानों का उल्लंघन न किया जा रहा हो। न्यायमूर्ति गवई ने इसी के साथ एक बात और कही कि वाणिज्यिक कानून की कोई भी व्याख्या निष्पक्षता और जनहित को बचाए रखते हुए विधायी मंशा के अनुरूप होनी चाहिए। प्राधान न्यायधीश ने सरकार की शक्तियों के बारे में विचार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सरकार की शक्तियां विशेष रूप से कराधान और विनिमय से जुड़े मामलों में एक स्पष्ट वैधानिक आधार पर टिकी होनी चाहिए और संविधान की सीमाओं के भीतर ही इस्तेमाल की जानी चाहिए।

दरअसल प्राधान न्यायाधीश गवई ने जो वुछ भी कहा है वह न सिर्प संवैधानिक भावों के अनुरूप है बल्कि उनके पद एवं प्रातिष्ठा के अनुवूल भी है। संविधान निर्मात्री सभा के सदस्यों ने जब लोकतंत्र के तीनों स्तंभोंका यंर्पालिका, विधायिका और न्यायपालिका के अधिकारों एवं कर्तव्यों का विश्लेषण किया तो उसने स्पष्ट रूप से इस बात का उल्लेख किया था कि सभी स्तंभ अपने-अपने क्षेत्र में स्वतंत्र रूप से कार्य करेंगे तभी लोकतांत्रिक प्रावृतियों का स्थाई भाव राष्ट्र के लोगों के प्राति सही मायने में न्याय एवं कल्याण करने में सफल हो पाएगा। कार्यर्पालिका किसी भी तरह की नीतिगत पैसला लेने में सफल होती हैं। कानून बनाने का स्थान संसद और विधानसभाएं हैं न कि कोर्ट रूम। कोर्ट किसी भी विधेयक के पारित होने के बाद समीक्षा करने के लिए तभी तैयार होता है जब उससे इस बात की शिकायत की जाती है कि सरकार द्वारा पारित कानून वादी के मौलिक अधिकारों के लिए बाधा बन चुका है। संसद को किसी भी कानून को बनाने के पहले शीर्ष अदालत से न तो अनुमति लेने की जरूरत पड़ती है और न ही शीर्ष अदालतें किसी तरह अनावश्यक हस्तक्षेप करती हैं। संसद में सत्ताधारी पाटा संख्या बल पर यदि कोई विधेयक पारित करवा भी लेती हैं तो शीर्ष अदालत मात्र यही कि सरकार द्वारा पारित विधेयक संविधान सम्मत है अथवा नहीं। कभी-कभी किसी सुनवाई के दौरान भी शीर्ष अदालत सरकार को सलाह देती है कि वह आमुक विषय पर स्पष्ट कानून बना दे। संसद का तो काम ही कानून बनाना है। संसद द्वारा पारित कानूनों की जिस तरह कोर्ट रूम में सुनवाई होती हैं, उससे साफ जाहिर होता है कि सुप्रीम कोर्ट का आशय कभी विधायिका को नीचा दिखाने का नहीं होता।

जजों के लिए स्पष्टीकरण जानना जरूरी होता है। प्रायः ऐसा देखा गया है कि जब कभी आर्थिक मामलों से संबंधित कानूनों की समीक्षा सुप्रीम कोर्ट में होती है तो पीठ में मौजूद न्यायाधीश बहुत ही तीखे सवाल पूछते हैं।

लेकिन बाद में जब पैसले आते हैं तो शीर्ष अदालत विधायिका द्वारा पारित विधेयक को सही ठहरा देती है।

बहरहाल सुप्रीम कोर्ट के प्राधान न्यायाधीश ने सरल एवं सकारात्मक भाव से अपनी बात कही है, उससे एक बात स्पष्ट है कि उनके कहने का आशय यही है कि सरकार जो भी कानून बनाए वह संविधान सम्मत हो और किसी भी तरह किसी के मौलिक अधिकारों के लिए घातक न हो। यदि सरकार ने इन दोनों ही बातों का ध्यान दिया तो सुप्रीम कोर्ट को किसी कानून को रद्दी की टोकरी में डालने का कोई शौक नहीं। चुनी हुई लोकप्रिय सरकार के अधिकारों का सम्मान सुप्रीम कोर्ट भी करता है। इसे कार्यर्पालिका और न्यायपालिका के बीच संबंधों के लिए सकारात्मक संदेश माना जा सकता है। उम्मीद की जानी चाहिए कि कार्यर्पालिका और विधायिका भी शीर्ष अदालत के पैसलों के बाद जजों की पारिवारिक वुंडली को राजनीति से जोड़कर न देखें।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उत्सव अंतर्गत राज्यव्यापी सरदार@150 यूनिटी मार्च को जूनागढ से प्रस्थान कराया

- **मुख्यमंत्री ने जूनागढ के ऐतिहासिक बहाउद्दीन महाविद्यालय से यूनिटी मार्च पदयात्रा का प्रारंभ कराया**
- **मुख्यमंत्री ने आरजी हुकूमत के स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया -: मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल :-**
- **यूनिटी मार्च सर्व समाज को साथ जोड़कर आत्मनिर्भर भारत के लिए प्रेरणा देगा**
- **प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केवडिया कॉलोनी में विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के निर्माण द्वारा देश ने सरदार पटेल को सच्ची श्रद्धांजलि दी है**
- **यूनिटी मार्च 'एक भारत, आत्मनिर्भर भारत' की विभावना को चरितार्थ कर एकता की नींव और सुदृढ़ बनाएगा**

गांधीनगर, 09 नवंबर :मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने लौह पुरुष तथा देश के महान निमार्ता सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उत्सव तथा जूनागढ के मुक्ति दिवस के अवसर पर रविवार को सरदार@150 यूनिटी मार्च पदयात्रा को प्रस्थान कराया।

श्री पटेल ने ऐतिहासिक बहाउद्दीन महाविद्यालय स्थित आरजी हुकूमत के माध्यम से मिली मुक्ति के स्मरण स्मृति स्मारक में स्वतंत्रता सेनानियों का स्मरण कर पुष्पांजलि अर्पित की।

उन्होंने पदयात्रा में सहभागी होने वाले हजारों नागरिकों को संबोधित करते हुए राज्यव्यापी यूनिटी मार्च के प्रथम चरण का प्रारंभ कराया।

इस रैली के प्रस्थान से पहले मुख्यमंत्री ने आरजी हुकूमत के इतिहास को दशार्ने वाली फोटो प्रदर्शनी भी निहारी।

उन्होंने दृढ़ विश्वास व्यक्त किया कि यूनिटी मार्च सर्व समाज को साथ जोड़कर आत्मनिर्भर भारत के लिए प्रेरणा देगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दिशादर्शन में समग्र देश में आयोजित हो रही एकता यात्रा सच्चे अर्थ में भारत को 'एक एवं अखंड' बनाकर सरदार साहब को सच्ची श्रद्धांजलि देने वाली सिद्ध होगी।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने आरजी हुकूमत के इतिहास का स्मरण करते हुए कहा कि वर्ष 1947 की 15 अगस्त को देश स्वतंत्र हुआ, लेकिन जूनागढ के नवाब की लोकमत के विरुद्ध नीति के कारण 86 दिनों के संग्राम के बाद 9 नवंबर को उपरकोट पर भारत का तिरंगा फहराए जाने के साथ जूनागढ वास्तव में स्वतंत्र हुआ था और इस प्रकार 9 नवंबर को 'जूनागढ मुक्ति दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

उन्होंने ये संस्मरण भी ताजा किए कि आरजी हुकूमत द्वारा जूनागढ को मुक्ति दिलाए जाने के बाद 13 नवंबर को इसी बहाउद्दीन महाविद्यालय के मैदान में सरदार वल्लभभाई पटेल ने सभा कर जूनागढवासियों को अभिनंदन दिया था।

श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने 563 देसी रजवाड़ों का भारत में विलय कर "एक एवं अखंड भारत' बनाया था। अब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' तथा 'आत्मनिर्भर भारत' के अभियान द्वारा उसकी नींव और सुदृढ़ बना रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सरदार साहब की स्मृति चिरंजीव रहे; इसके लिए केवडिया कॉलोनी में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का निर्माण किया है और वे प्रतिवर्ष सरदार पटले जयंती को एकता दिवस के रूप में मनाकर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर सरदार साहब को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री इस वर्ष स्टैच्यू ऑफ यूनिटी में 'भारत पर्व' का आयोजन कर आत्मनिर्भर भारत के साथ वोकल फॉर लोकल तथा 'विकसित भारत' का मार्ग और सुदृढ़ बना रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में धारा 370 के निर्मूलन द्वारा कच्छ से कटक और कश्मीर से कन्याकुमारी तक "एक एवं अखंड भारत' का सरदार का स्वप्न धरातल पर उतरा है।

श्री पटेल ने कहा कि सभी साथ मिलकर चलें और समरस समाज का निर्माण हो; इसके लिए यूनिटी मार्च के माध्यम से सभी वर्गों को शामिल कर राज्यभर में यूनिटी मार्च का आयोजन किया गया है, जिसके प्रथम चरण का शुभारंभ आज ऐतिहासिक बहाउद्दीन महाविद्यालय के मैदान से हुआ है। यह सभी को प्रेरणा प्रदान करेगा।

मुख्यमंत्री ने सभी सोरठवासियों को जूनागढ मुक्ति दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए विकसित भारत के निर्माण के लिए एक एवं नेक बनकर सहभागी होने का आ'ान किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने जूनागढ के स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले आरजी हुकूमत के स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया।

जूनागढ जिला प्रभारी सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता डॉ. प्रद्युम्नभाई वाजा ने जूनागढ के लिए आज के दिन को ऐतिहासिक बताकर कहा कि इस वर्ष सरदार साहब व बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती तथा वंदे मातरम् गीत के 150 वर्ष होने का शुभ समन्वय हुआ है। यह हम सबके लिए गर्व एवं आनंद की बात है।

डॉ. वाजा ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने हमें राष्ट्रीय एकता की जो विरासत दी है, उसे आगे बढ़ाना है। हम सबसे बड़े लोकतंत्र का गौरव लेते हैं, जिसके मूल में सरदार पटेल द्वारा एक किए गए सभी रजवाड़ों की राष्ट्रीय एकता की विरासत है। सरदार की दूरदर्शिता एवं अथक प्रयास के कारण भारत अखंड राष्ट्र के रूप में उभरा है। हमें सरदार साहब के योगदान को सदा-सर्वदा याद रखना है।

उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने अपनी कुशलता, सूझ-बूझ तथा दृढ़ता से 562 देसी रजवाड़ों को एक कर "एक एवं अखंड भारत' का निर्माण किया था। ऐसे महामानव को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी बनाकर सम्मान दिलाया। डॉ. वाजा ने जूनागढ की मुक्ति दिवस की शुभकामनाएँ दीं।

इस अवसर पर जूनागढ की नागरिक सेवाओं के प्रोजेक्ट के लिए जूनागढ के साधु-संतों ने 51 लाख रुपए का चेक मुख्यमंत्री को अर्पित किया। नागरिक सेवाओं में जन भागीदारी की इस पहल का सभी ने सहर्ष स्वागत कर आभार व्यक्त किया।

जिला कलेक्टर श्री अनिलकुमार राणावसिया ने जूनागढ मुक्ति दिवस पर आयोजित यूनिटी मार्च के अवसर पर सभी का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि 8.6 किलोमीटर की इस पदयात्रा में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत', 'आत्मनिर्भर भारत', 'हर घर स्वदेशी' के मंत्र को चरितार्थ किया जा रहा है।

जूनागढ की यह पदयात्रा हजारों नागरिकों की उपस्थिति तथा राष्ट्रीय एकता के भाव के साथ अविस्मरणीय बनी।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल भी बहाउद्दीन महाविद्यालय से पदयात्रा में जुड़े और उन्होंने यात्रा के रूट पर विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के सांस्कृतिक प्लेटफॉर्म पर सभी का अभिवादन किया।

समग्र रूट पर 19 मंच बनाए गए थे और उन पर जूनागढ के इतिहास, सांस्कृतिक विरासत सहित विभिन्न कृतियाँ भी प्रस्तुत की गईं। जिला प्रशासन तथा जिला पुलिस प्रशासन ने समग्र रूट पर यातायात व्यवस्था एवं समन्वय कर इस विशाल पदयात्रा को सफल बनाया।

इस पदयात्रा में विधि एवं न्याय प्रशासन राज्य मंत्री श्री कौशिकभी वेकरिया, सांसद श्री राजेशभाई चुडासमा, महापौर श्री धर्मेशभाई पोशिया, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री हरेशभाई ठुंमर, विधायक सर्वश्री संजयभाई कोरडिया, भगवानजीभाई करगठिया, देवाभाई मालम, अरविंद लाडाणी, महानगर पालिका आयुक्त श्री तेजस परमार, जिला विकास अधिकारी श्री एच. पी. पटेल, अग्रणी सर्वश्री गौरव रूपारेलिया, चंदूभाई मकवाणा, महंत श्री इंद्रभारती बापू, श्री महेशगिरी बापू, श्री नम्रमुनि महाराज सहित संत-महंत, पदाधिकारी-अधिकारी, विभिन्न समाज के लोग, शैक्षणिक संस्थाएँ, विभिन्न एसोसिएशन, आरजी हुकूमत के स्वतंत्रता सेनानियों के परिजन, वरिष्ठ नागरिक, युवा, पुलिस जवान, प्रबुद्ध नागरिक तथा जूनागढ के नगरजन बड़ी संख्या में सहभागी हुए।

नीतीश का पॉवर शो! कहा गया 'बीमार', पर 84 रैलियां कर दिखाया दम, 11 सभाएं सड़क पर कीं

(जीएनएस)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 का दूसरा चरण भले ही प्रचार थमने के साथ शांत दिख रहा हो, लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आखिरी वक्त तक अपने जोश और सक्रियता से विरोधियों की बोलती बंद कर दी। जिन पर आरोप था कि वे थक चुके हैं, बीमार हैं, उम्रदराज हैं और अब पहले जैसे फुतीर्ले नहीं रहे उन्होंने उसी मैदान में अपनी 84 जनसभाओं से ऐसा दम दिखाया कि पूरे सियासी गलियारे में चर्चा छा गई।

◆ 'बीमार' बताने वालों को नीतीश का चुनावी जवाब

नीतीश कुमार ने इस बार साबित कर दिया कि वे अब भी एनडीए के सबसे सक्रिय प्रचारक हैं। पूरे चुनाव अभियान के दौरान उन्होंने अब तक 84 जनसभाएं की हैं, जिनमें से 11 सड़क मार्ग से और 73 हवाई मार्ग से की गईं। उन्होंने करीब 1000 किलोमीटर सड़क यात्रा कर जनता के बीच पहुंचकर सीधे संवाद किया। उम्र और स्वास्थ्य पर उठे सवालों के बीच यह रफ्तार किसी "युवा नेता" से कम नहीं थी।

नीतीश कुमार के "पावर शो" ने साफ कर दिया है कि जो उन्हें बीमार कह रहे थे, उन्होंने शायद बिहार के इस मुख्यमंत्री का जज्बा नहीं देखा। सड़क से लेकर मंच तक, और भीड़ से लेकर भाषण तक नीतीश ने इस चुनाव में फिर साबित कर दिया है कि "पुराना खिलाड़ी" अब भी मैदान में सबसे फिट है।

◆ नीतीश की जनसभाओं में दिखा जनसैलाब

नीतीश की जनसभाएं औरंगाबाद, नवीनगर, चैनपुर और अमरपुर जैसे इलाकों में भी बड़ी भीड़ खींचने में कामयाब रहीं। उन्होंने हर मंच से यही संदेश दिया- बिहार ने "मोदी-नीतीश की जोड़ी" पर भरोसा किया है और यह भरोसा ही राज्य के विकास की गारंटी बनेगा। उन्होंने कहा कि एनडीए की सरकार आने पर युवाओं, महिलाओं और किसानों के लिए नई योजनाओं की रफ्तार और तेज होगी।

चैनपुर के हाटा में उन्होंने जेडीयू के मो. जमा खान और भाजपा प्रत्याशी अशोक कुमार सिंह के पक्ष में वोट देने की अपील करते हुए कहा कि "अब वक्त है काम बोलने देने का, न कि अफवाहों का।"

◆ प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह का कैंपेन

अगर एनडीए कैंपेन की बात करें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस चुनाव में अभूतपूर्व जोश दिखाया। वे सात बार बिहार आए और 14 चुनावी जनसभाओं को संबोधित किया। उनका प्रचार अभियान 24 अक्टूबर को जननायक कपूरी ठाकुर के गांव से शुरू हुआ और अंतिम सभा सीतामढ़ी व बेतिया में हुई।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 17 अक्टूबर से 8 नवंबर के बीच 33 से अधिक जनसभाएं कीं। वहीं, लोजपा (रामविलास) प्रमुख चिराग पासवान ने अब तक 85 रैलियां, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने 15 सभाएं की हैं।

◆ विपक्ष का प्रचार- तेजस्वी सबसे आगे

विपक्षी खेमे की बात करें तो राजद नेता तेजस्वी यादव इस बार सबसे ज्यादा 155 से 160 जनसभाओं के साथ सबसे सक्रिय प्रचारक साबित हुए हैं। कांग्रेस की ओर से राहुल गांधी ने 14, प्रियंका गांधी ने 13 और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने चार जनसभाएं कीं।

◆ दूसरे चरण की वोटिंग- 122 सीटों पर मुकाबला

अब चुनाव प्रचार थम चुका है। दूसरे चरण में 20 जिलों की 122 सीटों पर 11 नवंबर को वोटिंग होगी। इस चरण में 1,302 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें 1,165 पुरुष, 136 महिलाएं और 1 थर्ड जेंडर उम्मीदवार शामिल हैं। इस बार कुल 3.7 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे, जिनमें औसतन हर बूथ पर करीब 815 वोटर वोट डालेंगे।

दक्षिण अफ्रीका ने 417 का स्कोर चेज कर काटा बवाल, भारत को दी पटखनी, ध्रुव जुरेल के 2 शतक गए बेकार

(जीएनएस)।

दक्षिण अफ्रीका ने 417 रनों का लक्ष्य चेज करते हुए भारत को पटखनी दी है। भारत ए और दक्षिण अफ्रीका ए के बीच हुए इस मैच में धमाल देखने को मिला है। किसी ने उम्मीद नहीं की थी कि ऐसा भी हो सकता है। टेम्बा बवुमा के बल्ले से भी रन देखने को मिले हैं। बेंगलुरु में हुए इस दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट में दक्षिण अफ्रीकी टीम ने जीत दर्ज कर सीरीज 1-1 की बराबरी पर समाप्त कर दी।

भारत की तरफ से इस मैच के हीरो ध्रुव जुरेल रहे हैं। पहली पारी में उनके 132 रनों की बदौलत भारत ए की टीम 255 रनों के कुल स्कोर तक पहुँचने में सफल रही। दक्षिण अफ्रीका के लिए पहली पारी में टियान वेन वुरेन ने सर्वाधिक 4 विकेट अपने नाम किये।

इसके बाद दक्षिण अफ्रीकी टीम पहली पारी में खास नहीं कर पाई लेकिन उनके बल्लेबाज एकरमैन के बल्ले से शतकीय पारी देखने को मिली, वह 134 रन बनाकर आउट हुए। टीम 221 के कुल स्कोर पर आउट हो गई। भारत के लिए पहली पारी में प्रसिद्ध कृष्णा को सबसे ज्यादा 3 विकेट मिले।

इसके बाद दूसरी पारी में ध्रुव जुरेल का बल्ला फिर से चमका और उन्होंने एक और सैकड़ा जमा दिया। वह इस बार 127 के निजी स्कोर पर नाबाद लौटे। उनके अलावा हर्ष दुबे ने 84 और ऋषभ पंत ने 65 रनों की पारी खेली और भारत ने 382 रन बनाते हुए दक्षिण अफ्रीकी टीम को 417 सरनों का लक्ष्य दिया।

जवाब में खेलते हुए दक्षिण अफ्रीकी टीम ने सामूहिक रूप से प्रयास करते हुए 5 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर सीरीज बराबरी पर खत्म कर दी। दक्षिण अफ्रीकी टीम के लिए जॉर्डन हरमन ने 91 और सेनोकवाने ने 77 रनों की पारी खेली। उनके अलावा जबीर हमजा के बल्ले से 77 रनों की पारी आई। टेम्बा बवुमा भी कहां पीछे रहने वाले थे, उन्होंने 59 रन बनाए। उनके अलावा कोनर ईस्टरहुजेन ने 52 रन बनाए।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले बवुमा के बल्ले से फिफ्टी आना एक अच्छा संकेत कहा जा सकता है। दक्षिण अफ्रीकी टीम भारत दौरे पर दो टेस्ट खेलेगी, जो वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के अंतर्गत होंगे।

उद्धव कितनी संपत्ति के हैं मालिक, केवल 'मातोश्री' की कीमत जान उड़ जाएंगे होश

(जीएनएस)।

पिछले 45 साल से महाराष्ट्र की राजनीति का केंद्र रहा मातोश्री एक बार फिर सुर्खियों में है। शिवसेना संस्थापक बालासाहेब ठाकरे द्वारा मुंबई के पॉश इलाके बांद्रा ईस्ट में निर्मित घर मातोश्री के बाहर रविवार को ड्रोन कैमरा उड़ता नजर आया। जिसके बाद उद्धव ठाकरे का परिवार दहशत में आ गया है। परिवार ने आरोप लगाया है कि ये ड्रोन उनकी घर की जासूसी करने के लिए लगाया गया है। हालांकि मुंबई पुलिस ने साफ कर दिया है कि ये ड्रोन उस एरिया का सर्वे कर रहा था।

इस ड्रोन के नजर आने के बाद ठाकरे परिवार के घर मातोश्री और उद्धव ठाकरे की संपत्ति के बारे में लोग सर्च कर रहे हैं। आइए जातने हैं मातोश्री की वर्तमान कीमत क्या होगी और उद्धव ठाकरे के पास इस करोड़ों के घर के अलावा कितनी संपत्ति है?

भले ही महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे विपक्ष के नेता है, लेकिन ठाकरे परिवार महाराष्ट्र की राजनीति में दशकों से प्रभावशाली भूमिका निभाता रहा है। उद्धव ठाकरे का घर 'मातोश्री' मुंबई के बांद्रा में स्थित है। यह एक आलीशान बंगला है, जिसके अलावा ठाकरे कई अन्य रियल एस्टेट संपत्तियों के भी मालिक हैं।

उद्धव ठाकरे ने 2020 में महाराष्ट्र में विधान परिषद चुनाव के लिए नामांकन दाखिल किया था। इस दौरान उन्होंने अपनी संपत्ति का ब्योरा भी साझा किया था, जिससे उनकी वित्तीय स्थिति सार्वजनिक हुई थी। उद्धव ठाकरे ने नामांकन भरते समय अपनी कुल संपत्ति लगभग 125 करोड़ रुपये घोषित की थी। पांच साल में उद्धव ठाकरे की संपत्ति में भारी इजाफा होने का अनुमान है।

उद्धव ठाकरे की संपत्ति में दो घर शामिल है जिसमें एक पैतृक निवास 'मातोश्री' और 'मातोश्री 2' है। इसके अलावा उद्धव ठाकरे के पास कर्जत में स्थित एक फार्महाउस भी है।

मातोश्री की क्या है कीमत?

बांद्रा में स्थित मातोश्री बंगला लंबे समय से राजनीतिक और सामाजिक गतिविधियों का केंद्र रहा है। ठाकरे परिवार की राजनीतिक विरासत का एक अभिन्न अंग बन गया है। इसी के करीब 'मातोश्री 2' बंगला है, जो 10,000 वर्ग फुट के विशाल क्षेत्र में फैला हुआ है। इसमें तीन डुप्लेक्स फ्लैट शामिल हैं। इस शानदार संपत्ति में पांच बेडरूम, एक स्टडी रूम, होम थिएटर, स्विमिंग पूल, एक बड़ा जिम और एक छोटा सभागार जैसी अत्याधुनिक सुविधाएँ मौजूद हैं।

'मर जाऊंगी, मुझे पीट-पीटकर मार डालेगा, जांघें लाल', अमिताभ की हिरोइन ने 65 की उम्र में बेडरूम का दर्दनाक राज खोलने की हिम्मत जुटाई

1980 के दशक की चमकदार आंखों वाली सुपरस्टार एक्ट्रेस व अमिताभ बच्चन की हिरोइन ने अपनी जिदंगी का दर्दनाक राज आखिरकार कैमरे के सामने बयां कर ही दिया। यही वही एक्ट्रेस है, जिन्होंने 'एक दूजे के लिए', 'कुली', 'तवाइफ' और 'पासे' जैसी हिट फिल्मों से लाखों दिल जीते।

1985 में करियर के पीक पर उन्होंने सफल आर्किटेक्ट और बिजनेसमैन अनिल विरवानी से शादी की, फिल्में छोड़ दीं और एक 'आदर्श परिवार' बनाने का सपना देखा। लेकिन वर्ली के लग्जरी पेंटहाउस के बंद दरवाजों के पीछे दबा भयानक राज 'घरेलू हिंसा' का काला साया उजागर हो चुका है। अब, सालों बाद, रति ने खुलकर बताया कि कैसे वह हर रोज मौत के डर से जीती रहीं, कैसे एक दिन उन्होंने सोचा, 'मैं पीट-पीटकर मर जाऊंगी', और कैसे बेटे तनुज के प्यार ने उन्हें नई जिंदगी दी। यह कहानी सिर्फ एक स्टार की नहीं, बल्कि लाखों महिलाओं की चुप्पी की है। आइए जानते हैं...

रति अग्निहोत्री (जन्मः 10 दिसंबर 1960, बरेली, उत्तर प्रदेश) ने 9 फरवरी 1985 को अनिल विरवानी से शादी की। शुरू में सब कुछ परफेक्ट लगा, अनिल एक अमीर बिजनेसमैन थे, रति ने फिल्म इंडस्ट्री छोड़कर घर संभाला। 1986 में बेटा तनुज विरवानी का जन्म हुआ। लेकिन रति ने बाद में खुलासा किया कि शादी के शुरूआती सालों से ही दुर्व्यवहार शुरू हो गया था।

टाइम्स ऑफ इंडिया इंटरव्यू की एक रिपोर्ट के मुताबिक, रति अग्निहोत्री ने बताया, 'वो जानबूझकर उन हिस्सों पर मारते थे, जो कपड़ों से ढके रहते थे-पेट, पीठ, जांघें। ताकि बाहर कोई न देख सके। मैं मुस्कुराती रहती थी, लेकिन अंदर से टूट चुकी थी।' रति ने बताया, '30 साल तक चुप रहीं क्योंकि, शादी की पवित्रता में विश्वास था, मैं तलाक को पाप समझती थी। मेरी सबसे बड़ी प्राथमिकता मेरा बेटा था। मैं नहीं चाहती थी कि वह टूटे परिवार में बड़ा हो। वह प्रार्थना करतीं, इंतजार करतीं कि अनिल बदल जाएंगे। लेकिन, हिंसा बढ़ती गई।' रति ने एक इंटरव्यू में कहा, ' कई बार मैं खुद से कहती थी-अब मुस्कुराने की जरूरत नहीं। लेकिन मैं मुस्कुराती रही। क्योंकि बाहर की दुनिया को यही दिखाना था।'

साल 2015 में सब कुछ बदल गया। तनुज पुणे में फिल्म शूटिंग पर थे। अनिल का गुस्सा एक बार फिर भड़क उठा। रति ने बताया, 'मैंने खुद को लकड़ी के दरवाजे के पीछे छिपाया। मैं डर से कांप रही थी। मैंने सोचा-मैं 54 साल की हो चुकी हूँ। अब और कमजोर होती जाऊंगी। एक दिन वो मुझे पीट-पीटकर मार डालेंगे। यह टूटने का बिंदु था।'

एक हफ्ते बाद, 14 मार्च 2015 को रति अकेले वर्ली पुलिस स्टेशन पहुंचीं। अपनी मां अस्पताल में थीं, बहन पोलैंड में। किसी को बताए बिना, उन्होंने घरेलू हिंसा की औपचारिक शिकायत दर्ज की। उसी दिन उन्होंने वर्ली का पेंटहाउस छोड़ दिया और लोनावला के बंगले में चली गईं।

बेटे तनुज का साथः 'मां, जो तुम्हें खुशी दे, वही करो'

जब तनुज को पता चला, तो उन्होंने मां पर कोई दबाव नहीं डाला। बल्कि कहा,'मां, तुम जो चाहो करो। मैं तुम्हारे साथ हूं। कोई सवाल नहीं।' तनुज (अभिनेता, 'इनसाइड एज' फेम) ने मां को हिम्मत दी। रति ने कहा, 'उसकी शांत ताकत ने मुझे नई जिंदगी दी।' कहानी यहीं खत्म नहीं हुई। कुछ महीनों बाद सुलह की खबरें आईं। हैरानी की बात-जिस बेटे की वजह से रति 30 साल सहती रहीं, उसी तनुज ने माता-पिता को फिर से जोड़ा। तनुजा ने कहा, 'मेरे माता-पिता अलग नहीं हुए।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

'मेरे हाइड्रोजन बम से मोदी चुप', राहुल पर भाजपा का वार-'धूल चेहरे पर, कांग्रेस ताउम्र आईना पोछती रही'

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार (9 नवंबर 2025) को किशनगंज में महागठबंधन के उम्मीदवारों के समर्थन में एक जोरदार सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चुनाव आयोग पर 'वोट चोरी' के गंभीर आरोप लगाते हुए अपना 'हाइड्रोजन बम' फोड़ा, जो हरियाणा चुनावों में कथित धांधली के सबूतों पर आधारित था।

राहुल ने दावा किया कि भाजपा हर राज्य में वोट चुराकर सरकारें बना रही है, और बिहार में भी यही साजिश रची जा रही है। आपको बता दें कि, लगभग सभी जनसभाओं में कांग्रेस 'वोट चोरी'का आलाप गुनगुना रही है। लेकिन, इसी बीच रविवार को ही, भाजपा ने तुरंत पलटवार किया, 'धूल चेहरे पर थी, कांग्रेस ताउम्र आईना पोछती रही।' यह राजनीतिक जंग न केवल वोट की वैधता पर, बल्कि विपक्ष की रणनीति और सत्ता पक्ष की आलोचना पर केंद्रित हो गई है।

राहुल के मध्य प्रदेश के पचमढ़ी में 'जंगल सफारी' पर होने के बहाने उनकी प्राथमिकताओं पर सवाल उठाए। प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने तंज कसते हुए कहा, 'धूल चेहरे पर थी, कांग्रेस ताउम्र आईना पोछती रही।' यह राजनीतिक जंग न केवल वोट की वैधता पर, बल्कि विपक्ष की रणनीति और सत्ता पक्ष की आलोचना पर केंद्रित हो गई है।

किशनगंज की सभा में राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा, 'ये लोग हरियाणा, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में वोट चोरी करके सरकार बना चुके हैं। बिहार में भी यही करने वाले हैं।' राहुल ने अपना 'हाइड्रोजन बम' फोड़ते हुए हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024 में 25 लाख से ज्यादा फर्जी वोटों का दावा किया। 'एच फाइल्स' नामक पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के जरिए उन्होंने सबूत पेश किए, एक महिला का नाम दो बूथों पर 223 बार दर्ज, ब्राजीलियन मॉडल की फोटो 22 अलग-अलग नामों से वोटर लिस्ट में, और भाजपा नेताओं का दो राज्यों में वोटिंग का रिकॉर्ड।

राहुल ने चुटकी ली, 'आपने हरियाणा वाला हाइड्रोजन बम देखा है या नहीं? मैंने इन लोगों को बोलती बंद कर दी है। मैंने आरोप लगाया कि मोदी और चीफ इलेक्शन कमिश्नर (सीईसी) ज्ञानेश कुमार वोट चोरी कर रहे हैं। मोदी जी ने एक बार भी नहीं कहा कि राहुल झूठ बोल रहा है। क्यों? क्योंकि आरोप सही हैं।' उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा नेता दो-दो राज्यों में वोट करते हैं, और मोदी-अमित शाह 'चुनाव नहीं, वोट चोरी' से जीतते हैं।

राहुल ने बिहार के संदर्भ में भी चेतावनी दी। उन्होंने दावा किया कि स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (रक्फ़) के नाम पर 65 लाख वोटरों के नाम काटे गए, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और महागठबंधन समर्थक हैं। किशनगंज सभा में उन्होंने जमुई जिले के वोटरों को मंच पर बुलाया, जिनके नाम कथित रूप से डिलीट हो गए। राहुल ने कहा, 'ये सिस्टमेटिक चोरी है। चुनाव आयोग भाजपा के साथ मिलकर लोकतंत्र को तबाह कर रहा है।'

इसके अलावा, राहुल ने वैचारिक लड़ाई पर जोर दिया। उन्होंने पूछा, 'आपका मूड कैसा है? हिंदुस्तान में दो विचारधाराएं हैं-एक तरफ फ़रर जो जाति, भाषा, महिला-पुरुष बांटती है; दूसरी तरफ कांग्रेस-महागठबंधन जो जोड़ना चाहता है।' उन्होंने अपनी 4,000 किलोमीटर की 'वोटर अधिकार यात्रा' का जिक्र किया, जिसका मकसद 'नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलना' था। राहुल ने मोदी पर तंज कसा, 'उनके खून में नफरत है, मेरे में मोहब्बत। नफरत से उन्हें देश का धन मिलता है-जनता को डराकर ध्यान भटकाते हैं।'

बिहार के मुद्दों पर राहुल ने तीन सवाल उठाए: 'युवाओं को रोजगार क्यों नहीं? बिना शिक्षा के कॉलेज कैसे? बिहार की यूनिवर्सिटी बेची या बंद हो रही हैं?' उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार अडानी-अंबानी के लिए काम करती है, जबकि कांग्रेस किसान-मजदूरों के लिए। पीएम के बिहार दौरे पर चुटकी ली, 'उन्होंने कहा डेटा सस्ता किया, रील बनाओ। इंस्टाग्राम पर जाओ। लेकिन रील से पैसे आएंगे? ये 21वीं सदी का नशा है-मुद्दों से भटकाने का तरीका।'

राहुल गांधी की किशनगंज रैली से पूर्व व पहले के आरोपों पर भाजपा ने करारा दिया। पार्टी ने राहुल के बिहार चुनाव के बीच मध्य प्रदेश के पचमढ़ी में 'जंगल सफारी' पर होने का मुद्दा उठाया। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर पोस्ट कर तंज कसा- 'राहुल गांधी के लिए छडढ का मतलब 'लीडर ऑफ पार्टी' नहीं, बल्कि 'लीडर ऑफ पर्यटन' है। बिहार में चुनाव चल रहे हैं, वो छुट्टी पर चले गए। हार मानकर चुनाव आयोग को दोष देंगे और 'एच फाइल्स' (हॉलीडे फाइल्स) पर पावरपॉइंट दिखाएंगे।'

पूनावाला ने एक कविता-शैली में चुटकी लीः- 'धूल चेहरे पर थी, कांग्रेस ताउम्र आईना पोछती रही।' उन्होंने कहा, 'राहुल का 'हाइड्रोजन बम' फुस्स है। ये वोट चोरी के आरोप हार की आड़ में हैं। बिहार की जनता रोजगार, विकास चाहती है, न कि फर्जी नैरेटिव।' केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भी कहा, 'राहुल हरियाणा की पुरानी बातें दोहरा रहे हैं, बिहार में कुछ नहीं बचा। ये ध्यान भटकाने की कोशिश है।'

भाजपा का कहना है कि राहुल के आरोप बेबुनियाद हैं। हरियाणा चुनाव अधिकारी ने स्पष्ट किया कि 'हाउस नंबर 0' वाले वोटर बेघर हैं, न कि फर्जी। पार्टी ने एक सर्वे का हवाला दिया, जिसमें बिहार में केवल 21% लोग रक्फ़ को मुद्दा मानते हैं, जबकि बेरोजगारी 32% पर टॉप है।

ईँ१ ए ी्रङ्ग्ल्ल 2025ः वोट चोरी नैरेटिव की चुनौतियां, क्या फायदा या नुकसान?

राहुल का 'वोटर अधिकार यात्रा' और 'हाइड्रोजन बम' नैरेटिव महागठबंधन (कांग्रेस-फ्खऊ) को युवा-महिला वोटरों का समर्थन दिलाने की कोशिश है। लेकिन सर्वे बताते हैं कि बेरोजगारी और विकास ही मुख्य मुद्दे हैं। पूर्व सीईसी एसवाई कुरैशी ने राहुल के आरोपों पर कहा कि आयोग को जांच करनी चाहिए, न कि चिल्लाना।

विश्लेषक मानते हैं कि यह नैरेटिव विपक्ष को एकजुट कर सकता है, लेकिन भाजपा-खङ्म गठबंधन इसे 'हार का रोना' बताकर काउंटर कर रहा है। क्या राहुल का 'बम' फूटेगा या फुस्स? बिहार की जनता 14 नवंबर के रिजल्ट से फैसला करेगी। फिलहाल, यह जंग लोकतंत्र की पवित्रता पर सवाल उठा रही है।

बिहार के इन 7 विधानसभा क्षेत्रों में सिर्फ 3 बजे तक वोटिंग, कहीं आपका बूथ भी तो इसमें नहीं?

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण के लिए प्रचार थम चुका है। 11 नवंबर को होने वाले इस महत्वपूर्ण मतदान से पहले, चुनाव आयोग का एक बड़ा फैसला सियासी गलियारों में हलचल मचा रहा है। दूसरे चरण में मतदान का समय घटाकर दोपहर 3 बजे करने का फैसला कुछ अति-संवेदनशील विधानसभा क्षेत्रों और बूथों पर लागू होगा।

चुनाव आयोग ने इन क्षेत्रों की पहचान की है, जहां सुरक्षा कारणों से वोटिंग का समय सीमित कर दिया गया है। इमामगंज विधानसभा क्षेत्र की 7 बूथों पर मतदान केवल 3 बजे तक होगा, जबकि कई अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में भी समय घटाया गया है। यह फैसला मतदाताओं और प्रत्याशियों, दोनों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

इन संवेदनशील बूथों पर पहले वोटिंग होगी खत्म

चुनाव आयोग ने दूसरे चरण के मतदान के लिए संवेदनशील बूथों पर विशेष दिशानिर्देश जारी किए हैं। इमामगंज विधानसभा क्षेत्र की 7 बूथों पर सबसे कम, यानी दोपहर 3 बजे तक ही मतदान होगा। इसके अतिरिक्त, इमामगंज की 354 बूथों पर

शाम 4 बजे तक वोट डाले जा सकेंगे। बोधगया में 200 बूथों पर 4 बजे तक और 106 बूथों पर शाम 5 बजे तक मतदान होगा। वहीं, चैनपुर, रजौली, गोविंदपुर, सिकंदरा, जमुई, झाझा और चकाई जैसी विधानसभा सीटों की सभी बूथों पर शाम 4 बजे तक ही वोटिंग का समय निर्धारित किया गया है। यह सुरक्षा व्यवस्था और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए लिया गया अहम फैसला है।

दूसरा चरणः 122 सीटों पर 1302 उम्मीदवार

बिहार विधानसभा चुनाव का दूसरा चरण 11 नवंबर को राज्य के 20 जिलों की 122 विधानसभा सीटों पर होगा। इस चरण में कुल 1302 प्रत्याशी मैदान में हैं, जिनमें 136 महिलाएं और एक थर्ड जेंडर प्रत्याशी भी शामिल हैं। कुल 3 करोड़ 70 लाख 13 हजार 556 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इस चरण के लिए 45,399 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें 40,073 ग्रामीण और 5326 शहरी बूथ हैं। क्षेत्रफल के हिसाब से भागलपुर (23.887 वर्ग किलोमीटर) सबसे छोटा और चैनपुर (1814.15 वर्ग किलोमीटर) सबसे बड़ा विधानसभा क्षेत्र है। मतदाताओं की संख्या के अनुसार, मखदुमपुर में सबसे कम (2.47 लाख) और हिसुआ में सबसे अधिक (3.67 लाख) मतदाता हैं।

पहले चरण में रिकॉर्ड मतदान

पहले चरण में रिकॉर्ड 65% से अधिक मतदान हुआ था, जो आजादी के बाद का सर्वाधिक था। इसे देखते हुए दूसरे चरण में भी रिकॉर्ड मतदान होने की उम्मीद है। पहले चरण के नतीजों से एक दिलचस्प बात सामने आई कि महिलाओं ने पुरुषों से ज्यादा मतदान किया। कुल मतदान प्रतिशत 65.08% रहा, जिसमें महिलाओं का मतदान प्रतिशत 69.04% था, जबकि पुरुषों का 61.56%। यह दर्शाता है कि महिलाओं की चुनावी भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। मीनापुर सीट पर पहले चरण में सबसे ज्यादा 77.54% मतदान दर्ज किया गया था। यह ट्रेंड दूसरे चरण में भी जारी रहने की संभावना है, जो बिहार की चुनावी तस्वीर को बदल सकता है।

मुंबई के लोगों को मिलेगी ट्रैफिक जाम से राहत, कोस्टल रोड और मेट्रो के बाद अब 70 किमी का बनेगा टनल

(जीएनएस)।

मुंबई के लोगों के लिए ट्रैफिक जाम बहुत बड़ी समस्या है। पेशेवरों ही नहीं स्टूडेंट्स का भी रोज काफी समय ट्रैफिक में बीतता है। मुंबईकरों को भारी जाम से निजात देने के लिए सड़कों के विस्तार, ओवरब्रिज समेत इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट पर काम हो रहा है। जाम से राहत दिलाने के लिए देश की आर्थिक राजधानी अब एक मेगाप्लान की ओर बढ़ रही है। इस परियोजना के पूरा होने के बाद शहर का परिवहन ढांचा पूरी तरह से बदल जाएगा।

मुंबई महानगरीय क्षेत्र विकास प्राधिकरण (MMRDA) ने इंटिग्रेटेड टनल रोड सिस्टम की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR) तैयार करनी शुरू कर दी है। इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत मुंबई के विभिन्न इलाकों को भूमिगत सड़कों से जोड़ा जाएगा। इससे सड़कों पर वाहनों का दबाव घटेगा। शहर के एक छोर से दूसरे छोर तक पहुंचने के लिए वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था होगी।

अंडरग्राउंड सड़कों का बिछेगा जाल

- मुंबई में जमीन की कमी और बढ़ते ट्रैफिक को देखते हुए अब नई सड़कों का निर्माण बेहद कठिन है। ट्रैफिक के दबाव को नियंत्रित करने के

लिए ओवरब्रिज, फ्लाईओवर बनाए जा रहे हैं।

- हालांकि, गाड़ियों की बढ़ती संख्या और भविष्य की जरूरत को देखते हुए एमएमआरडीए ने सड़कों को जमीन के नीचे ले जाने का फैसला किया है।

- इन टनल नेटवर्क के जरिए कोस्टल रोड, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (BKC), बुलेट ट्रेन स्टेशन और छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट (CSMIA) को आपस में जोड़ा जाएगा।

- इससे वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे (WEH) और एस.वी. रोड पर ट्रैफिक का बोझ काफी हद तक कम होगा।

तीन चरणों में पूरा होगा टनल प्रोजेक्ट

- पहला चरण (16 किमी): वर्ली सी लिंक से बीकेसी और एयरपोर्ट तक भूमिगत सुरंग बनाई जाएगी।

- दूसरा चरण (10 किमी): ईस्टर्न और वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे को जोड़ेगा, जिससे पूर्व-पश्चिम दिशा का ट्रैफिक आसान होगा।

- तीसरा चरण (44 किमी): उत्तर मुंबई से दक्षिण मुंबई तक जाने वाली मुख्य सुरंग बनेगी, जिससे यात्रियों और माल दोनों की आवाजाही तेज होगी।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि यह टनल नेटवर्क मुंबई को ग्लोबल सिटी बनाने की दिशा में अहम कदम साबित होगा। इससे कोस्टल रोड, मेट्रो और सड़कें आपस में जुड़ेंगी, ट्रैफिक कम होगा और सफर सुरक्षित बनेगा। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि अब मुंबई सतह के नीचे भी चलेगी। यह प्रोजेक्ट शहर के एक छोर से दूसरे छोर से दूसरे छोर को मिनटों में पहुंचाने के सपने को पूरा करेगा।

पर्यावरण के लिहाज से भी अच्छा विकल्प

एमएमआरडीए के मेट्रोपॉलिटन कमिश्नर डॉ. संजय मुखर्जी ने बताया कि डीपीआर में सुरंगों के स्थान, पर्यावरणीय प्रभाव और लागत की समीक्षा की जा रही है। यह प्रोजेक्ट पूरा होने के बाद मुंबई का चेहरा बदल जाएगा। टनल रोड की वजह से ट्रैफिक जाम में भारी कमी होगी और आम लोगों का यात्रा समय भी घटेगा। प्रदूषण में कमी आएगी और एयरपोर्ट, कोस्टल रोड और मेट्रो के बीच बेहतर कनेक्टिविटी बन सकेगी।

चुनाव प्रचार के आखिरी दिन एनडीए पर मुकेश सहनी का बड़ा आरोप, 'मुझे घंटों एयरपोर्ट पर बिठाए रखा'

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 अब अपने आखिरी दौर में पहुंच गया है। पहले फेज में रिकॉर्डतोड़ वोटिंग हुई है। रविवार, 09 नवंबर को दूसरे फेज के लिए चुनाव प्रचार का शोर थम जाएगा। इस बीच प्रचार के आखिरी दिन विकासशील इंसान पार्टी (श्क्ढ) के चीफ मुकेश सहनी ने एनडीए सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि विपक्षी नेताओं की उड़ानें जान-बूझकर बाधित की गईं और मुझे दो-दो घंटे एयरपोर्ट पर बिठाया गया। उन्होंने केंद्र सरकार पर वोट चोरी का आरोप भी लगाया।

चुनाव प्रचार के आखिरी दिन मुकेश सहनी ने कहा कि विपक्षी नेताओं के चुनाव अभियान को बाधित करने की कोशिश की गई। हमारी फ्लाइट्स और उड़ान को बाधित किया गया ताकि विपक्ष की सभाएं रद्द हो सकें। उन्होंने यह भी कहा कि जनता इसका जवाब देगी और पहले फेज में ही महागठबंधन के पक्ष में एकतरफा मतदान हुआ है।

बिहार में दूसरे चरण की 122 सीटों पर रविवार को चुनाव प्रचार थम जाएगा। आम तौर पर नेता चुनाव के

दौरान एक ही दिन में कई चुनाव प्रचार करते हैं। ज्यादातर नेता अपना चॉपर प्रचार के लिए इस्तेमाल करते हैं और कभी-कभी फ्लाइट्स का इस्तेमाल करते हैं। महागठबंधन लगातार चुनाव प्रचार के दौरान वोट चोरी का आरोप लगाता रहा है। अब प्रचार के आखिरी दिन मुकेश सहनी ने एयरपोर्ट पर बिठाने और प्रचार अभियान में बाधा डालने का आरोप लगाया है।

मीडिया से बात करते हुए महागठबंधन के डिप्टी सीएम पद के उम्मीदवार मुकेश सहनी ने कहा, 'बीजेपी और NDA के नेताओं को उड़ानें जल्दी मिल जाती हैं। महागठबंधन के सदस्यों को साजिश के तहत ढाई-ढाई घंटे एयरपोर्ट पर बैठाया जाता है। यह सब इसलिए होता है ताकि हमारे कार्यक्रम रद्द हो जाएं। इस विधानसभा चुनाव में हमारे 3-4 कार्यक्रम इसी वजह से रद्द हो गए।' उन्होंने यह भी कहा कि विपक्ष को जानबूझकर प्रताड़ित किया जा रहा है।

प्रचार का आखिरी दिन

- बिहार विधानसभा चुनाव में पहले फेज की वोटिंग 6 नवंबर को हो चुकी है जिसमें रिकॉर्ड 64.67 फीसदी मतदान हुआ है।

- दूसरे फेज के लिए मतदान 11 नवंबर को होगा और चुनाव प्रचार का शोर रविवार (9 नवंबर) को शाम 5 बजे थम जाएगा।

- वोटों की गिनती 14 नवंबर को की जाएगी। पहले फेज की वोटिंग के बाद दोनों प्रमुख गठबंधन और प्रशांत किशोर ने अपनी पार्टी की जीत का दावा किया है।

आईएसआईएस आतंकी चला रहा स्मार्टफोन, 20 महिलाओं के रेपिस्ट फोन से कर रहा बात, जेल का वीडियो देख होश उड़ जाएंगे

(जीएनएस)।

देश की सबसे सुरक्षित मानी जाने वाली बेंगलुरु सेंट्रल जेल एक बार फिर शर्मसार हुई है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए 6 सनसनीखेज वीडियो ने पूरे देश को हिला दिया है। इन वीडियो में आतंकवादी संगठन क्रक्र के कुख्यात हैंडलर जुहाद हामिद शकील मन्ना, सीरियल रेपिस्ट उमेश रेड्डी और लश्कर के आतंकी जैसे खूंखार अपराधी मोबाइल फोन इस्तेमाल करते, टीवी देखते और जेल के अंदर 'ऐश' करते पकड़े गए हैं।

यह घटना न केवल जेल प्रशासन की घोर लापरवाही को उजागर करती है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने मामले की गहन जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई का आदेश दिया है।

वायरल वीडियो में ISIS हैंडलर जुहाद हामिद शकील मन्ना स्मार्टफोन और बेसिक हैंडसेट पर आराम से बात करता दिख रहा है, जबकि सीरियल रेपिस्ट उमेश रेड्डी दो एंड्रॉयड फोन और एक कीपैड मोबाइल के साथ टीवी के पास बैठा है। लश्कर के संदिग्ध आतंकी भी स्मार्टफोन का इस्तेमाल करते पाए

गए हैं। इन खूंखार अपराधियों द्वारा मोबाइल फोन का उपयोग राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा है, क्योंकि वे अन्य कैदियों को कट्टर बना सकते हैं या प्रतिबंधित संगठनों से संपर्क साध सकते हैं। यह सब जेल स्टाफ की मिलीभगत के बिना संभव नहीं है, जैसा कि जेल अधिकारी इन गतिविधियों से वाकिफ थे।

बेंगलुरु जेल में यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी सैंडलवुड एक्टर दर्शन थूगुदीपा को लॉन पर मोबाइल इस्तेमाल करने, चाय पीने और सिगरेट पीने की सुविधा मिली थी। हाल के वीडियो में गोल्ड स्मगलिंग केस की आरोपी और एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी की बेटी रन्या राव के दोस्त तरुण राजू को भी जेल में मोबाइल इस्तेमाल करते और खाना बनाते देखा गया है। ये मामले साफ दिखाते हैं कि जेल प्रशासन में गहरी पैठ रखने वाले रसूखदारों और खूंखार अपराधियों को जेल में श्क्ढ ट्रीटमेंट मिल रहा है। स्थानीय निवासी शिकायत करते हैं कि जेल के जैमर उनके फोन सिग्नल बाधित करते हैं, पर कैदी बिना रुकावट फोन चला रहे हैं।

मामला सामने आने के बाद मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गहन जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया है। एडीजीपी (जेल) बी. दयानंदा ने भी जांच के आदेश जारी किए हैं, जिसमें फोन मुहैया कराने वालों, इसमें शामिल अधिकारियों की भूमिका और वीडियो लीक करने वालों की पहचान की जाएगी। एडीजीपी (जेल) पीवी आनंद रेड्डी ने जेल का दौरा कर कैदियों और स्टाफ से पूछताछ की है। प्रारंभिक जांच में कुछ वीडियो 2023 और कुछ हाल के पाए गए हैं। अब देखना यह है कि इस हाई-प्रोफाइल मामले में कितने बड़े अधिकारियों पर गाज गिरती है और क्या जेल की सुरक्षा व्यवस्था में वाकई सुधार होगा।

रान्या राव केसः जेल में रान्या के गोल्ड ड्रेगर' दोस्त की ऐश! टीवी-स्पेशल बिस्तर और क्या-क्या पूरी हो रही डिमांड

(जीएनएस)।

कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर एक्ट्रेस रान्या राव के सोना तस्करी कांड ने एक बार फिर सुर्खियां बटोर ली हैं। इस साल मार्च में सामने आए इस हाई-प्रोफाइल केस में रान्या की गिरफ्तारी के बाद उनके सह-आरोपी और तेलुगु एक्टर तरुण राजू (जिन्हें तरुण राज कोंडुरु या विराट कोंडुरु के नाम से भी जाना जाता है) पर भी इंटरनेशनल स्मगलिंग नेटवर्क का मास्टरमाइंड होने का आरोप लगा।

लेकिन अब वायरल वीडियो के जरिए खुलासा हुआ है कि तरुण बेंगलुरु की परप्पना अग्रहरा सेंट्रल जेल में 'लग्जरी लाइफ' जी रहे हैं- मोबाइल फोन, टीवी, स्पेशल बिस्तर, खाना बनाने की सुविधा और यहां तक कि 'बिंदास' स्टाइल में मनोरंजन।

ये वीडियो न केवल जेल प्रशासन पर सवाल खड़े कर रहे हैं, बल्कि पूरे केस की जांच एजेंसियों- डायरेक्टोरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (DRI) और एनफोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ED)- को भी अलर्ट पर ला दिया है। क्या ये सुविधाएं 'डिमांड' पर पूरी हो रही हैं? आइए, इस कांड की पूरी कहानी को विस्तार से समझते हैं...

यह मामला 3 मार्च 2025 को तब फूटा जब रान्या राव, जो सीनियर क्ढर अधिकारी रामचंद्र राव की सौतेली बेटी हैं, बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर दुबई से लौटते समय पकड़ी गईं। कस्टम्स अधिकारियों ने उनकी बॉडी सर्च की तो हैरानी की बात सामने आई, रान्या ने सोने को बैंडेज में लपेटकर शरीर के अलग-अलग हिस्सों (जांघों, कमर और पेट के आसपास) में छिपाया था। कुल 14.213 किलोग्राम 24 कैरेट सोना बरामद हुआ, जिसकी मार्केट

वैल्यू करीब 12.56 करोड़ रुपये बताई गई। इससे बचने वाले कस्टम ड्यूटी का अनुमान 4.83 करोड़ रुपये था।

DRI की जांच में खुलासा हुआ कि रान्या 2023 से 2025 के बीच दुबई की 50 से ज्यादा यात्राएं कर चुकी थीं- जिनमें से 34 अकेले 2025 के पहले दो महीनों में। ये यात्राएं कथित तौर पर सोना तस्करी के लिए थीं। उनकी रेसिडेंस पर छापे में 2.67 करोड़ रुपये की अनअकाउंटेड नकदी और 2.06 करोड़ की सोने की ज्वेलरी भी जब्त हुई। रान्या ने शुरूआत में खुद को 'मूल' बताया- यानी किसी अनजान व्यक्ति ने श्ङ्गक्ढ कॉल पर धमकाकर सोना देने को मजबूर किया। लेकिन जांच ने उनके झूठ को बेनकाब कर दिया।

रान्या ने दुबई में 'वीरा डायमंड्स ट्रेडिंग छछङ' नाम की कंपनी रजिस्टर की थी, जो सोना इंपोर्ट-एक्सपोर्ट का काम करती थी। कंपनी का 50-50 पार्टनर था तरुण राज । रान्या ने HDFC बैंक से 8-10 लाख रुपये निवेश किए, जबकि तरुण बिजनेस ऑपरेशंस संभालता था । DRI के मुताबिक, कंपनी दुबई में सोना खरीदती, कस्टम्स डिक्लेरेशन में जिनेवा जाने का झूठा दावा करती, लेकिन असल में भारत तस्करी कर लाती। नवंबर-दिसंबर 2024 के दो कस्टम्स डॉक्यूमेंट्स रान्या के घर से मिले, जो इस साजिश की पुष्टि करते हैं। फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर एक्ट्रेस रान्या राव।

तरुण राजू (30 वर्षीय), जो तेलुगु फिल्म 'परिचयम' (2018) में लीड रोल के लिए फेमस हैं और तमिल फिल्मों में भी काम कर चुके हैं, रान्या के करीबी दोस्त थे। दोनों का कनेक्शन फिल्म इंडस्ट्री के इवेंट्स, पार्टियों और दुबई ट्रिप्स से था। तरुण- जो एक प्रमुख होटेलियर के पोते और अमेरिकी नागरिक भी हैं- कथित तौर पर रान्या को इंटरनेशनल स्मगलर्स और फाइनेंशियर्स से जोड़ने वाले 'की लिंक' थे। DRI ने उन्हें 11 मार्च 2025 को गिरफ्तार किया, जब वे जिनेवा भागने की कोशिश कर रहे थे। जांच में पाया गया कि तरुण ने 72.6 किलोग्राम सोना तस्करी में मदद की, जिसके लिए उन पर 62 करोड़ का पेनल्टी लगाया गया।

किन धाराओं के तहत केस दर्ज?

तरुण और रान्या पर कस्टम्स एक्ट की धारा 135 और 104 के तहत केस चला। दोनों की बेल अर्जियां कई बार खारिज हुईं- कमर्शियल कोर्ट ने 'सीरियस इकोनॉमिक ऑफेंस' और 'फ्लाइट रिस्क' का हवाला देकर। मई 2025 में डिफॉल्ट बेल मिली (चार्जशीट लेट फाइलिंग पर), लेकिन जुलाई में COFEPOSA एक्ट के तहत 1 साल की डिटेंशन ऑर्डर आया, जिसने बेल को बेअसर कर दिया। सितंबर में ऊफ्क्र ने रान्या पर 102.55 करोड़ (जिनमें तरुण का 62 करोड़ शामिल) का पेनल्टी लगाया। अगर न चुकाया तो प्रॉपर्टी अटैचमेंट की धमकी।

तीसरा आरोपी साहिल सकरिया जैन (बल्लारी का ज्वेलर) भी गिरफ्तार हुआ, जो हवाला ट्रांजेक्शंस संभालता था। कुल 127.3 किलोग्राम सोना जब्त, जो दुबई, युगांडा और मलेशिया से आया। एऊ और उइक भी जांच में जुड़ीं, मनी लॉन्ड्रिंग एंगल पर।

टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अब असली ड्रामा जेल का है। 8 नवंबर 2025 को सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में तरुण को परप्पना अग्रहरा सेंट्रल जेल के सेल में 'रॉयल' अंदाज में दिखाया गया।

पुलिस परिवार के लिए स्वास्थ्य शिविर शुरूः होम्योपैथिक और योग से मिलेगा नियमित स्वास्थ्य लाभ, आईपीएस नताशा गोयल ने किया शुभारंभ

(जीएनएस)।

पीलीभीत की रिजर्व पुलिस लाइन में पुलिस परिवारों के लिए होम्योपैथिक और योग स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभकिया गया है। यह शिविर होम्योपैथिक विभाग पीलीभीत और वामा सारथी के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। अब यह शिविर प्रत्येक माह के दूसरे रविवार को पुलिस परिवारों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेगा।

इस महत्वपूर्ण पहल का उद्घाटन जनपद की आईपीएस अधिकारी नताशा गोयल ने किया। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर शिविर की शुरूआत की और होम्योपैथी के जनक महात्मा हैनिमैन के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि

अर्पित की।

आईपीएस नताशा गोयल ने इस अवसर पर कहा कि पुलिसकर्मी और उनके परिवार अक्सर तनावपूर्ण माहौल में रहते हैं। ऐसे में उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए होम्योपैथिक उपचार और योग के महत्व पर जोर दिया। शिविर में पुलिस परिवार के सदस्यों को विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा होम्योपैथिक परामर्श और दवाएं उपलब्ध कराई गईं।

साथ ही, उन्हें दैनिक जीवन में शामिल करने योग्य योगाभ्यास सिखाया गया और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। इस तरह के नियमित स्वास्थ्य शिविरों से पुलिस परिवार के सदस्यों को स्वस्थ रहने और अपनी ड्यूटी को अधिक कुशलता से निभाने में सहायता मिलेगी। इस पहल को पुलिस परिवार के सदस्यों ने सराहा है।

सेवा बनी उत्सव की परिभाषाः बृज की रसोई ने करुणा को थालियों में परोसा

प्रेरणास्रोत बाबा नीम करौली जी की कृपा से इण्डियन हेल्पलाइन सोसाइटी का प्रकल्प बृज की रसोई

द्वारा आज आशियाना, लखनऊ में लगभग 1500 जरूरतमंद बच्चों, बुजुर्गों व परिवारों को निःशुल्क पौष्टिक भोजन वितरित किया गया। सेवा अभियान साईं मंदिर से प्रारंभ होकर मलिन बस्तियों तक पहुँचा, जहाँ प्रेम, करुणा और मानवता की थालियाँ परोसी गईं। संस्थापक विपिन शर्मा ने सहयोगियों का आभार जताते हुए कहा हर थाली में अन्न नहीं, मानवता की भावना परोसी जाती है।

लखनऊ (उ.प्र.), 09 नवम्बर 2025। प्रेरणास्रोत बाबा नीम करौली जी की कृपा से इण्डियन हेल्पलाइन सोसाइटी (रजि.) द्वारा संचालित बृज की रसोई द्वारा प्रत्येक रविवार की भांति आज आशियाना (लखनऊ) के चिन्हित स्थानों पर निःशुल्क पौष्टिक भोजन वितरण सेवा का आयोजन सम्पन्न हुआ।

संजय श्रीवास्तव ने बताया कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अकिंचन, निराश्रित और वंचित बच्चों तक पौष्टिक भोजन पहुँचाकर मानवता और सेवा भावना को सशक्त बनाना रहा।

अनुराग दुबे इस अवसर पर समाजसेवियों, स्थानीय नागरिकों एवं स्वयंसेवकों ने मिलकर लगभग 1500 जरूरतमंद बच्चों एवं बुजुर्गों और उनके परिवारों को प्रेमपूर्वक भोजन परोसा।

आशीष श्रीवास्तव ने जानकारी दी सेवा के दौरान बच्चों के चेहरों पर मुस्कान और आत्मीय वातावरण ने कार्यक्रम को भावनात्मक ऊँचाई प्रदान की। उन्होंने कहा कि यह सेवा अभियान नियमित रूप से जारी रहेगा, जिससे हर प्राणी में ईश्वर के दर्शन की भावना को साकार किया जा सके।

दीपक भुटियानी ने कहा संस्था द्वारा उपस्थित जनसमूह को यह भी अवगत कराया गया कि मात्र ₹501/- के सहयोग से कोई भी व्यक्ति 51 बच्चों के लिए एक दिन का निःशुल्क पौष्टिक भोजन प्रदान करा सकता है। इसके लिए ऑनलाइन सहयोग हेतु संस्था का क्यूआर कोड भी उपलब्ध कराया गया।

अंत में, संस्था के संस्थापक विपिन शर्मा ने सभी सहयोगियों, स्वयंसेवकों एवं स्थानीय नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा आपके छोटे से सहयोग से हम मिलकर भूखे बच्चों, बुजुर्गों और बेसहारा लोगों तक अन्न पहुँचा रहे हैं। आज, एक थाली करुणा की परोसकर मानवता की एक नई मिसाल बनाएं।

देवांश रस्तोगी ने कहा मानवता ही सर्वोच्च धर्म है इसी प्रेरणा को आत्मसात करते हुए आज का निःशुल्क भोजन वितरण अभियान साईं मंदिर, आशियाना से प्रारम्भ हुआ। सेवा का यह कारवाँ सेक्टरझ्एम रिक्शा कॉलोनी, रतन खंड पार्क, डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के समीप स्थित झुग्गीझझोपड़ियों, निर्माणस्थलों पर कार्यरत श्रमिकों के अस्थायी आवासों, नगर निगम जोनझ 8 की मलिन बस्तियों और रतन खंड पानी टंकी क्षेत्र तक पहुँचकर जरूरतमंदों तक स्नेहभरी थाली पहुँची।

दिव्यांश शर्मा ने अवगत कराया इस सेवा अभियान में देवांश रस्तोगी, संजय श्रीवास्तव, दीपक भुटियानी, आशीष श्रीवास्तव, हीरा सिंह, नवल सिंह सहित अनेक समर्पित समाजसेवियों ने अपनी सक्रिय भागीदारी से मानवता के इस पुनीत कार्य को सार्थकता प्रदान की।

कार्यक्रम में अनेक समाजसेवी, गणमान्य नागरिक, स्थानीय प्रतिनिधि और बृज की रसोई सेवा परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सेवा भावना और सामाजिक एकता का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करते हुए, उपस्थित सभी ने मानवता की इस सतत यात्रा को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

आहार की निर्माण विधि एवं गुणवत्ता की महानिदेशक मत्स्य वरिष्ठ, आईएएस धनलक्ष्मी ने की जाँच

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। महानिदेशक मत्स्य वरिष्ठ, आईएएस के धनलक्ष्मी ने रविवार को जनपद की दो बड़ी मत्स्य परियोजनाओं का निरीक्षण किया तथा मत्स्य आहार की निर्माण विधि एवं गुणवत्ता की जाँच की।

महानिदेशक मत्स्य के धन लक्ष्मी ने जनपद के अग्रणी मत्स्य व्यवसायी परवेज खान की मिश्रीपुर स्थित बृहद री सकुर्लेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम का निरीक्षण किया, उनके द्वारा वृहद स्तर पर पंगेसियस प्रजाति की सघन मत्स्य पालन तकनीक के सफलतापूर्वक संचालन पर एवं उच्चतम स्तर पर उत्पादन हेतु उनकी सराहना की, उसके पश्चात देवा रोड पर स्थित मत्स्य फीड मिल का निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान फीड मिल के मालिक परवेज खान ने बताया कि एक वर्ष में लगभग बीस हजार टन मत्स्य आहार का इस फैक्ट्री में

निर्माण किया जाता है जो उत्तर प्रदेश के साथ-साथ नेपाल एवं असम तक के मत्स्य पालको को उनकी मांग के अनुरूप आपूर्ति किया जाता है उन्होंने फैक्ट्री में निर्मित हो रहे मत्स्य आहार की निर्माण विधि एवं गुणवत्ता को भी परखा तथा बेहतर रखरखाव एवं अच्छे उत्पादन के लिए प्रसन्नता व्यक्त की ' निरीक्षण के दौरान उपनिदेशक मत्स्य नियोजन एजाज नकवी सहित जनपद के मुख्य कार्यकारी अच्छे लाल निषाद, एवं मत्स्य निरीक्षक विवेक निगम उपस्थित रहे।

दियोरियाः आढ़तों पर अवैध धान खरीद व 'करदा' कटौती का मामला सीएम तक पहुंचा

(पीलीभीत)दियोरिया। कोतवाली क्षेत्र की आड़त में इन दिनों खरीद व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। मुख्यमंत्री पोर्टल पर दर्ज शिकायत में समाजसेवी शरद दुबे ने आरोप लगाया है कि आढ़त संचालक किसानों से सरकारी मूल्य ₹2389 प्रति क्विंटल की जगह ₹1400 से ₹1600 प्रति क्विंटल में धान खरीद रहे हैं। इतना ही नहीं, खरीद के दौरान किसानों से अवैध रूप से ह्यकरदा' भी काटा जा रहा है, जो भ्रष्टाचार की जड़ को उजागर करता है।

शरद दुबे ने अपनी शिकायत के साथ वीडियो साक्ष्य का भी उल्लेख किया है जिसमें आढ़त संचालक अशोक कुमार (मकरंदापुर) और सुनील गुप्ता (मधवापुर) खुलेआम यह कहते नजर आ रहे हैं कि 'प्रति क्विंटल एक किलो करदा भी काटा जाएगा और आपके खाते में आए अधिक रुपए वापस करने होंगे।' यह बयान न केवल धान क्रय केंद्रों की पारदर्शिता पर प्रश्नचिह्न लगाता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि भ्रष्टाचार जड़ तक फैला हुआ है किसानों ने बताया कि वे कई दिनों से मंडी के बाहर खुले आसमान के नीचे अपनी फसल की बारी का इंतजार कर रहे हैं, जबकि दूसरी ओर कुछ आढ़त संचालक अपने घर बैठे ही किसानों के कागजों पर धान की फर्जी तौल और एंट्री करा रहे हैं। इससे यह स्पष्ट है कि केंद्र प्रभारी और आढ़त संचालक मिलीभगत से किसानों का आर्थिक शोषण कर रहे हैं। किसानों ने शासन से मांग की है कि इस पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए और दोषियों के खिलाफ कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में कोई भी किसान की पसीने की कमाई को यूं लूट न सके।

थाना मड़ियांव पुलिस को लगातार मिल रही बड़ी सफलताएं

(जीएनएस)।

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के कमिश्नर अमरेन्द्र कुमार सेंगर के दिशा-निर्देशन में काम कर रहे मड़ियांव थाना प्रभारी व क्राइम ब्रांच प्रभारी को लगातार मिल रही सफलताएं थाना प्रभारी के हौसले के आगे शातिर अपराधी हुए नतमस्तक इसी क्रम में एक शातिर वारंटी अपराधी विजय अग्रवाल उर्फ विजय कालिया को पुलिस ने किया गिरफ्ता गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से एक अवैध तमंचा और जिंदा कारतूस भी बरामद किया बताया जा रहा है कि अभियुक्त पर 23 आपराधिक मुकदमे पहले से दर्ज हैं अभियुक्त को दबोचने में क्राइम प्रभारी शिवानंद मिश्रा और उनकी टीम में शामिल रहे उ0नि0 अशोक कुमार

सिंह, उ0नि0 ज्ञानेंद्र कुमार गौड़, हे0का0 दुर्गेश सिंह, हे0का0 अर्जुन सिंह, का0 अखिलेश वर्मा की रही अहम भूमिका गिरफ्तार अभियुक्त मूल रूप से बख्शी तालाब क्षेत्र का निवासी बताया जा रहा है।

बीसलपुरः पटेल जयंती पर कुर्मी महासभा का भव्य कार्यक्रम, मॉडल ग्राम प्रधान हरिपाल सिंह को डॉ. पल्लवी पटेल ने किया सम्मानित!

(पीलीभीत)बीसलपुर। सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर रविवार को कुर्मी महासभा पीलीभीत की ओर से बीसलपुर में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अपना दल कमेरावादी की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. पल्लवी पटेल शामिल हुईं इस मौके पर ग्राम चंदपुरा के ग्राम प्रधान हरिपाल सिंह को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। हरिपाल सिंह को मुख्यमंत्री पुरस्कार मिल चुका है और उनके नेतृत्व में गांव का चयन मॉडल युवा ग्राम पंचायत के रूप में हुआ है। डॉ. पल्लवी पटेल ने उन्हें ग्राम विकास और सामाजिक नेतृत्व का प्रेरणास्रोत

बताया। उन्होंने कहा कि हरिपाल सिंह ने अपने ग्राम में स्वच्छता, शिक्षा, पेयजल, और युवाओं को संगठित करने के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किए हैं। उनकी कार्यशैली से अन्य ग्राम प्रधानों को भी प्रेरणा लेनी चाहिए। कार्यक्रम में कुर्मी समाज के अनेक पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता और क्षेत्र के सम्मानित लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान सरदार पटेल के योगदान को याद करते हुए समाज में एकता और जागरूकता का संदेश दिया गया।

अपराध मुक्त बनाने, महिला उत्पीड़न को रोकने साइबर अपराधों के प्रति किया गया जागरूक

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। गांवों को अपराध मुक्त बनाने, महिला उत्पीड़न को रोकने व साइबर अपराधों के प्रति सजग रहने के लिए रविवार को सफदरगंज पुलिस टीम ने ग्राम पंचायत अम्बौर के ज्वालामुखी मंदिर मे चौपाल लगाकर ग्रामीणों को जागरूक किया।

थानाध्यक्ष अमर कुमार चौरसिया के नेतृत्व मे आयोजित क चौपाल मे ग्रामीणों को वुमन पावर लाइन नंबर 1090, डायल-112 आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी थानाध्यक्ष ने कहा कि इंटरनेट मीडिया के इस्तेमाल के साथ साइवर खतरों की जानकारी भी बहुत जरूरी है। अनजान नंबर या अनजान एप से वीडियो काल रिसीव न करें। किसी भी व्यक्ति के कहने पर मोबाइल में रिमोट एक्सेस ऐप या अन्य कोई एप डाउनलोड न करें। केबाईसी अपडेट के नाम पर किसी को भी लिक

अथवा ओटीपी शेयर न करें। उन्होंने कहा कि जागरूकता ही साइबर ठगी से बचने का सबसे बड़ा उपाय है। उन्होंने कहा कि गांव में होने वाले छोटे-मोटे विवादों को आपसी सहमति से सुलझा लिया जाए, जिससे थाना व कचहरी जाने से बचा जा सके। बाद में उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं को भी सुना।

महिला आरक्षी काजुल सिंह ने अभियान मिशन शक्ति "नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलबंन" एंटी रोमियो, साइबर जागरूकता के तहत विद्यार्थियो को मिशन शक्ति नारी सुरक्षा, व साइबर क्राइम संबंधी अपराध ,यातायात के नियमों , बाल विवाह ,पास्को एक्ट,नये कानून दंड से न्याय की ओर, घरेलू हिंसा, गुड टच ,बैड टच के बारे में अवगत कराते हुए हेल्पलाइन नंबर 112, पुलिस आपातकालीन सेवा 1090, वूमेन पावर हेल्पलाइन ,1076 ,माननीय मुख्यमंत्री हेल्पलाइन ,108 ,एंबुलेंस सेवा ,1930, साइबर अपराध हेल्पलाइन,1098, चाइल्ड हेल्पलाइन,102 ,स्वास्थ्य सेवा ,101 अग्निशमन सेवा की जानकारी दी।

उपनिरीक्षक व जितेंद्र कुमार सिंह ने सरकार द्वारा चलाई जा रही सामुहिक विवाह योजना, कन्या सुमंगला योजना, वृध्दा पेंशन, विधवा पेंशन आदि एवं ड्रोन संबंधित विस्तृत जानकारी देते हुए ग्रामीणों को थानाध्यक्ष के सीयूजी नंबर 9454403074 की जानकारी दी ।

रोटरी क्लब के तत्वाधान में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। जिले के सुपर्शिद्ध स्व. डॉ. एस. एस. वर्मा की पुण्य स्मृति के अवसर पर रविवार को उनके पैतृक निवास ग्राम साढ़ेमऊ मे रोटरी क्लब के तत्वाधान निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया।।

रोटरी क्लब के अध्यक्ष डॉ. राजेश मोहन, सचिव डॉ. विमल बैसवार, कोषाध्यक्ष संजय निगम, शिविर समन्वयक डॉ. सुधीर वर्मा तथा संयोजक सुनील वर्मा के नेतृत्व में आयोजित.स्वास शिविर में 387 रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिसमें सभी रोगियों के रक्तचाप, रक्त शर्करा, अल्ट्रासाउंड सहित अन्य आवश्यक रक्त परीक्षण की निःशुल्क संपन्न की गयी। शिविर समन्वयक डॉ. सुधीर वर्मा ने बताया कि रोटरी क्लब बाराबंकी द्वारा ऐसे समाजोपयोगी कार्य निरंतर किए जा रहें हैं। रोटरी संगठन स्वास्थ्य, शिक्षा, जल संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन तथा युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए सदैव तत्पर

रहता है और भविष्य में भी जनहित के कार्यों को इसी भावना के साथ जारी रखेगा।

स्वास्थ्य शिविर में डॉ. राजेश मोहन ,डॉ. विमल बैसवार

डॉ. सुधीर वर्मा, प्रो. डॉ. आर. आहुजा ,डॉ. एन. के. गुप्ता

डॉ. प्रवीन कुमार डॉ. विकास टंडन डॉ. रोहित अग्रवाल , डॉ. पंकज जायसवाल डॉ. संदीप बुधवार डॉ. सुधा वर्मा, डॉ. प्रतिष्ठा सचान डॉ. वीरेन्द्र श्रीवास्तव डॉ. नगेंद्र सिंह , तथा रोटेरियन ममता चंद्रा ने मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया।

मीडिया प्रभारी गिरीश अरोड़ा ने बताया कि पशु चिकित्सक के रूप में डॉ. राजेश मोहन का योगदान अत्यंत सराहनीय रहा। शिविर की सफलता में राजवीर सिंह 'कक्कू प्रधान', साढ़ेमऊ समिति के अध्यक्ष ललित कुमार वर्मा, डॉ. राम प्रवेश वर्मा, राज कुमार वर्मा, राजेंद्र वर्मा, रवि वर्मा, डॉ. समर सिंह, डॉ. सुनील कुमार रावत तथा डॉ. अनिल कुमार वर्मा की प्रेरणा तथा अन्य सभी ग्रामवासियों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

इस मौके पर चार्टर सदस्य डॉ. आर. आहुजा, वरिष्ठ सदस्य जगेश अग्रवाल, सुनील वर्मा, संपन्न कुमार निगम, महाबीर प्रसाद जैन, ममता चंद्रा, शिखा श्रीवास्तव, सहित रोटरी क्लब के सदस्य मौजूद रहे।

उच्च न्यायालय के आदेश की खुली अवमानना!

पीलीभीत में अधिकारीझ्र भट्ठा मालिक गठजोड़ से बढ़ रहा ह्यजहरीला' प्रदूषण

पर्यावरण विभाग पर सबसे बड़ा आरोप, जनता का स्वास्थ्य दांव पर

पीलीभीत। जिले में 2014 के माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद के आदेश को ताक पर रखकर ईंट-भट्ठा उद्योगों द्वारा खुलेआम प्रदूषण फैलाया जा रहा है। समाजसेवी, पर्यावरणविद एवं नई क्रान्ति पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जे.के. पाठक ने प्रेस वार्ता में गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और जिला प्रशासन की मिलीभगत से अवैध भट्ठों का संचालन जारी है।

श्री पाठक ने बताया कि उच्च न्यायालय के आदेशानुसार उत्तर प्रदेश ईंट-भट्ठा (स्थापना हेतु स्थल मापदण्ड) नियमावली, 2012 के मानकों का सख्ती से पालन होना चाहिए था, परंतु आज भी दर्जनों भट्ठे आबादी, सड़कों, रेलवे ट्रैक और जंगलों के समीप संचालित हो रहे हैं। इनमें प्रतिबंधित ब्लैक कार्बन जैसे अत्यधिक प्रदूषणकारी ईंधन का प्रयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कई बार जिलाधिकारी को लिखित शिकायतें भेजी गईं, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। माननीय उच्च न्यायालय के आदेश की यह सीधी अवमानना है, जिससे क्षेत्र का पर्यावरण और जन-स्वास्थ्य गंभीर खतरे में है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड पर गंभीर आरोप, जे.के. पाठक ने आरोप लगाया कि भट्ठों को संचालन के लिए अनापत्ति प्रमाण-पत्र (ठडउ) जारी करने वाला प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड स्वयं भ्रष्टाचार और लापरवाही में लिप्त है। कथित तौर पर ह्यसहमति' के बदले इन अवैध भट्ठों को खुली छूट दी जा रही है।

टाइगर रिजर्व में बढ़ता खतरा

पीलीभीत जनपद टाइगर रिजर्व क्षेत्र घोषित है। ऐसे में अनियंत्रित प्रदूषण से वायु और जल दोनों का स्तर खतरनाक रूप से बढ़ गया है। काली राख और धुआँ न केवल आम जनता को श्वसन संबंधी रोगों की ओर धकेल रहा है, बल्कि वन्यजीवों के जीवन के लिए भी गंभीर खतरा बन गया है।

उच्च स्तरीय जांच की मांग, श्री पाठक ने मांग की है कि उन सभी ईंट-भट्ठों का संचालन तत्काल प्रभाव से बंद किया जाए जो नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं, तथा दोषी अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने शीघ्र कार्रवाई नहीं की, तो वह इस मामले में उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर करेंगे।

अब यह देखना होगा कि क्या जिलाधिकारी इस गंभीर शिकायत का संज्ञान लेकर न्यायालय के आदेश की गरिमा बहाल करेंगे, या फिर प्रदूषण अधिकारी एक बार फिर ह्यजिम्मेदारी' से बच निकलेंगे?

जनपद की जनता की निगाहें अब जिला प्रशासन के अगले कदम पर टिकी हैं।

ताला तोड़कर अज्ञात चोरो ने कम्प्यूटर सिस्टम सहित इन्वेटर बैटरी चुराई

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। बीती रात्रि थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत अनूपगंज के पंचायत भवन का ताला तोड़कर अज्ञात चोरो ने कम्प्यूटर सिस्टम सहित इन्वेटर बैटरी आदि समान उठा ले गये ग्राम प्रधान माहेदरकशा ने चोरी की तहरीर दी है।

ग्राम प्रधान माहेदरकशा ने बताया कि रविवार की सुबह पंचायत सहायक निशा किसी कार्य से जब पंचायत भवन पहुंची तो भवन के मुख्य गेट का दरवाजा टूटा हुआ था तथा दरवाजे लगा ताला भी टूटा था पंचायत सहायक की सूचना पर जब पंचायत भवन गयी तो कार्यालय मे रखा कम्प्यूटर सिस्टम, इन्वेटर, दो बड़ी बैटरी गायब थी ग्राम प्रधान ने पंचायत भवन हुई चोरी की तहरीर चौकी सहादतगंज मे दी है।

लखनऊ पुलिस ने चलाया लाउड स्पीकर अभियान

(जीएनएस)।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के डीजीपी राजीव कृष्ण के आदेश पर लखनऊ में यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य धर्मस्थलों मंदिर, मस्जिद आदि और सार्वजनिक स्थलों पर अवैध या अत्यधिक ध्वनि वाले लाउडस्पीकरों को हटाना या उनकी आवाज को निर्धारित सीमा में लाना है। पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण नियमों के तहत की जा रही है। अब तक कई इलाकों, खासकर वजीरगंज थाना क्षेत्र में, पुलिस ने धार्मिक स्थलों से लाउडस्पीकर उतरवाए हैं। खास बात यह है कि

मंदिर और मस्जिद प्रशासन दोनों इस अभियान में पूरी तरह सहयोग कर रहे हैं। यह कदम सरकार और पुलिस प्रशासन की ओर से सामाजिक सौहार्द बनाए रखते हुए ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए उठाया गया है।